शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 36 | गुवाहाटी | सोमवार, 2 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जीवन में विफलता से कभी न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है : उपराष्ट्रपति — पेज 2

भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न, जान-जीवन अस्त-व्यस्त — पेज 3

इतिहास में प्रताप का अपमान, अकबर को बताया गया महान : मदन दिलावर — पेज 5

पेरिस पैरालंपिक : क्वार्टर फाइनल में हारीं मनदीप कौर और पलक कोहली — पेज 7

*24 हजार संविदा शिक्षकों के लिए अच्छी खबर*

## राज्य सरकार आज जारी करेगी नियुक्ति पत्र

**गुवाहाटी।** पूरे असम में संविदा शिक्षकों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आने वाले एक कदम में, राज्य सरकार लगभग 24,000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करके एक लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। स्थायी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे कुल 23,956 शिक्षकों को कल उनके आधिकारिक रोजगार पत्र प्राप्त होंगे। बहुप्रतीक्षित वितरण समारोह सोमवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा मैदान में होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थगन आदेश को हटाने के बाद की गई है, जिसने पहले प्रक्रिया में देरी की थी। यह विकास संविदा शिक्षकों के लिए एक बड़ी जीत के रूप में आया है, जो वर्षों से अपनी स्थायी नियुक्ति की वकालत कर रहे हैं। असम सरकार की प्राथमिक शिक्षा निदेशक सुरंजना सेनापति ने कहा कि नियुक्ति पत्रों से नौकरी की सुरक्षा और बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे असम के शिक्षा क्षेत्र में बहुत जरूरी स्थिरता आएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि नियमितीकरण राज्य के शैक्षिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने -शेष पृष्ठ दो पर

## शोणितपुर में मिला भारत-चीन युद्ध के समय का बम

**तेजपुर।** असम के शोणितपुर में 62 साल पुराना मोर्टार स्मोक बम मिला है। पुलिस ने बताया कि यह 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय का बम है। यह मोर्टार स्मोक बम असम के ढेकियाजुली इलाके में मिला है। हालांकि, सेना ने इस स्मोक बम को ब्लास्ट कर दिया। शोणितपुर के एसपी बरुण पुरकायस्थ ने बताया कि दो इंच लंबा विस्फोटक जौगापुर गांव में एक व्यक्ति को शुक्रवार शाम सेसा नदी में मछली पकड़ते समय मिला। उन्होंने कहा कि यह इलाका मिसामारी थाना क्षेत्र में है। यह बम चाइना मेड -शेष पृष्ठ दो पर

## कैग रिपोर्ट : असम में चाय श्रमिकों का वेतन कम

*कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में भी कई खामियां*

**नई दिल्ली।** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में बताया गया है कि असम के चाय श्रमिकों का वेतन कम है, साथ ही श्रम कानूनों और श्रमिक कल्याण के प्रावधानों को लागू करने में भी कई खामियां हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि चाय श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी तय करने में राज्य सरकार का हस्तक्षेप भी अपर्याप्त है। इन सभी वजहों के चलते श्रमिकों के जीवन स्तर में पर्याप्त सुधार नहीं हो पा रहा है। कैग ने 2015-16 से लेकर 2020-21 की अवधि की रिपोर्ट को *चाय श्रमिकों के कल्याण के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन* शीर्षक से रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार, चाय श्रमिकों में कम आय और शिक्षा की कमी उनके विकास में प्रमुख बाधक हैं। कैग ने असम के चार जोन- कछार, डिब्रूगढ़, नागांव और शोणितपुर में ऑडिट किया इन चार जोन्स में 390 चाय बागान हैं, जिनमें से 40 बागान के आधार पर ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई। कैग ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए 590 चाय श्रमिकों से बात की। रिपोर्ट के अनुसार, आदिवासी विकास विभाग ने श्रमिकों की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की, लेकिन बिना किसी आधारभूत सामाजिक-आर्थिक डाटा और अव्यवस्थित तरीके से प्रयास करने की वजह से वह नाकाफी साबित हो -शेष पृष्ठ दो पर

*सीएम ने बाढ़ राहत की समीक्षा की*

## बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की योजना बनाई

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज बाढ़ राहत वितरण में बड़े बदलाव की घोषणा की, और बाढ़ प्रभावित निवासियों की सहायता के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) कार्यक्रम शुरू किया। यह घोषणा जिला आयुक्तों के साथ एक वर्चुअल बैठक के दौरान की गई, जहां शर्मा ने पीड़ितों के बैंक खातों में सीधे राहत राशि जमा करने की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह कदम राज्य में हर साल आने वाली बाढ़ से जूझने के मद्देनजर उठाया गया है। गृह मंत्रालय के -शेष पृष्ठ दो पर

## मियां मुसलमानों की उत्पादित मछली न खाएं : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लोगों को चेताया है कि मियां मुसलमानों (अवैध घुसपैठिया) द्वारा उत्पादित मछलियां नहीं खाएं, क्योंकि यह मछली खाना स्वस्थ्य के लिए खतरनाक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मछलियों को यूरिया खिलाकर इसका उत्पादन बढ़ाया जाता है। जिस कारण इससे खाना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खराब है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा की असम में बड़ी संख्या में डायलिसिस करने की मशीन लगाई गई हैं। बावजूद इसके डायलिसिस कराने के लिए लोगों को लाइन लगाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन मछलियों के खाने से तरह-तरह की बीमारियां हो रही है। अपने वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि नगांव के मियां मुसलमानों ने ऊपरी असम मछली भेजना बंद कर दिया है। इस प्रकार की किसी भी कार्रवाई का असम की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें स्वास्थ्यसम्मत मछली खाना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जन्म-मरण में दुःख ही है।
- आचार्य चाणक्य

## असम पुलिस ने विवादित गाने को लेकर यूट्यूबर को किया गिरफ्तार

**गुवाहाटी।** असम पुलिस ने रविवार को कहा कि उन्होंने यूट्यूबर और गायक अल्ताफ हुसैन को गिरफ्तार किया है, जो बिहू गीतों के अपने विवादास्पद संस्करण के लिए जाने जाते हैं। उन पर अपने गीत के माध्यम से राज्य के जातीय समुदायों के खिलाफ कथित रूप से शत्रुता भड़काने का आरोप है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस गाने पर गहरी नाराजगी जताई थी और लोगों को असमिया समुदाय के सामाजिक मानदंडों का पालन करने की चेतावनी दी थी। शर्मा ने कहा कि जब तक हमारा समाज जीवित है, हम सम्मान के साथ रहेंगे। हम अपनी गरिमा पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने सद्भाव बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा परंपराओं के संरक्षण तथा परिवर्तन के साथ तालमेल बिठाने के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्रसारण में जोर देते हुए कहा कि समाज में अच्छी तरह से एकीकृत होने के लिए, किसी को इसकी मूल विशेषताओं का सम्मान करना चाहिए। अगर कोई हमारी -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यायालयों में *स्थगन की संस्कृति* को बदलने के प्रयास होने चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मू

**नई दिल्ली (हि.स.)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में *स्थगन की संस्कृति* को बदलने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे गरीब लोगों को अकल्पनीय कष्ट होता है। इस स्थिति को बदलने के हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने नई दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जिला न्यायपालिका सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि गांव का गरीब आदमी न्याय प्रक्रिया में भाग लेने से डरता है और चुपचाप अन्याय सहता रहता है। उसे लगता है कि कोर्ट-कचहरी में जाने से उसका जीवन और अधिक कष्टमय में हो जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय के समक्ष निलंबित मामले हम सबके सामने सबसे बड़ी चुनौती हैं। इस समस्या को प्राथमिकता देकर सभी हितधारकों को समाधान निकालना है। राष्ट्रपति ने इस दौरान न्याय प्रक्रिया में अमीरी-गरीबी के अंतर पर ध्यान केंद्रित कराया। उन्होंने कहा कि यह हमारे सामाजिक जीवन का एक दुखद पहलू है कि कुछ मामलों में, साधन-सम्पन्न लोग अपराध करने के बाद भी निर्भीक और स्वच्छंद घूमते रहते हैं। जो लोग उनके अपराधों से पीड़ित होते हैं, वे डरे-सहमे -शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

## असम में 3.6 तीव्रता का भूकंप

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मोरीगांव जिले में रविवार शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप के चलते राज्य में कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार असम के मोरीगांव जिले में 06 बजकर 51 मिनट 52 सेकेंड पर भूकंप का -शेष पृष्ठ दो पर

## मणिपुर में फिर से हिंसा, एक महिला की मौत

**इंफाल (हि.स.)।** मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कांगचुप क्षेत्र के कावतरु गांव में गोलाबारी की घटना ने राज्य में एक बार फिर तनाव पैदा कर दिया है। रविवार की दोपहर कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में दो पुलिस कर्मियों समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक महिला की मौत हो गई। राज्य पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक आज रविवार को -शेष पृष्ठ दो पर

## भारत की यूपीआई ने दुनिया में धूम मचाई : अनुराग ठाकुर

**शिमला (हि.स.)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भारत में डिजिटल व कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने, पेमेंट्स के तरीके को सुगम बनाने व फिनटेक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार के शुरू किए गए भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा व सुगम माध्यम बताया है। जिससे जन-जन के लिए बैंकिंग आसान हुई है। आंकड़ों के अनुसार यूपीआई से हर सेकेंड 3729 ट्रांजैक्शन होते हैं और अप्रैल-जुलाई के -शेष पृष्ठ दो पर

## बांग्लादेश : हिंदू शिक्षकों से जबरन लिया जा रहा इस्तीफा

**ढाका (हि.स.)।** बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की बर्खास्तगी के बाद कट्टरपंथी देश के विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ताजा मामला सरकारी शिक्षण संस्थानों में काम करने वाले हिंदु शिक्षकों से जबरन इस्तीफा लिए जाने का है। जिसमें बकरगंज के सरकारी कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर की तस्वीर सामने आई है, जिसमें वे इस्तीफा देते हुए दिख रही हैं। बांग्लादेशी दैनिक प्रोथोम अलो के मुताबिक 29 अगस्त की दोपहर छात्रों और कुछ बाहरी लोगों के समूह ने प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर के कार्यालय को लगभग चार घंटे तक घेरे रखा और अंततः उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस दौरान उन्हें भीड़ ने जिस तरह बंधक बनाए रखा, वे काफी असहज दिख रही थीं, जिसकी तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। 14वें बीसीएस शिक्षा संवर्ग की अधिकारी शुक्ला रानी हलदर ने 2022 के मध्य में बेकरगंज सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

## लापता हेलीकॉप्टर में सवार 17 लोगों के मिले शव

**मॉस्को।** रूस के सुदूर पूर्व में लापता हेलीकॉप्टर पर सवार 22 लोगों में से 17 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रूस के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर के मलबे का भी पता लगा लिया गया है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि 17 लोगों के शव पाए गए हैं और बचावकर्मी शेष लोगों की तलाश में जुटे हैं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो जाने की आशंका है। माना जाता है कि खराब मौसम और -शेष पृष्ठ दो पर

## रोबोटिक सहायता से फास्ट ट्रैक टोटल नी रिप्लेसमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहा है अपोलो हॉस्पिटल्स

**गुवाहाटी।** अपोलो हॉस्पिटल्स, एशिया के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल चेन, रोबोटिक सहायता प्राप्त फास्ट ट्रैक टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में अग्रणी है। अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई के सीनियर कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. माधन थिरुवेंगडा ने इस तरह की कई प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया और सर्जरी के 3 घंटे के भीतर मरीज को चलने-फिरने में सक्षम बनाया। इस तकनीक की शुरुआत डॉ. माधवन थिरुवेंगडा ने अपोलो अस्पताल में पहली बार 2021 में कोविड महामारी के दौरान की -शेष पृष्ठ दो पर

## रूस ने यूक्रेन खार्किव में तीन प्रमुख स्थानों को बनाया निशाना, पांच की मौत, 55 घायल

**मॉस्को।** रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों ने आज यूक्रेन के खार्किव में तीन प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया। हमलों में 5 लोगों की मौत हो गई और 55 अन्य घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार मिसाइल ने एक व्यस्त शॉपिंग सेंटर को निशाना बनाया। इस हमले में इमारत को गंभीर क्षति पहुंची और कई लोग मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकानें और पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। बचाव कर्मी मलबे में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। मिसाइलों का एक हमला खेल एरीना पर भी हुआ। यहां पर कोई खेल आयोजन चल रहा था या फिर दर्शक मौजूद थे, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन एरीना को काफी नुकसान हुआ है। इस क्षेत्र में भी घायल लोगों की संख्या बढ़ रही है। एक मिसाइल ने वाटरपार्क के नजदीक विस्फोट किया। यहां बच्चों और परिवारों की मौजूदगी की वजह से स्थिति गंभीर हो गई है। पानी की स्लाइड्स और आसपास -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# जीवन में विफलता से कभी न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है : उपराष्ट्रपति

**देहरादून ( हि.स. )।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि हमेशा राष्ट्रीयहित को प्राथमिकता दें, भारत माता आपका इंतजार कर रही है। राष्ट्र का भविष्य आपके कंधों पर है। जिंदगी की जंग लड़ने के लिए खुद में साहस और ज्ञान विकसित करनी होगी। जो लोग चुनौती का सामना करने में जोखिम उठाते हैं, वही साहस, पहल और नेतृत्व करते हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने रविवार को देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय के कैडेट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी विफलता से न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है। डर की भावना आपकी प्रतिभा के उपयोग और आपके संभावनाओं की वास्तविकता में बाधा डालती है। हमेशा याद रखें कि डर हमारे विकास की यात्रा का आवश्यक हिस्सा है। चंद्रयान मिशन की सफलता की कहानी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक चंद्रयान मिशन को याद करें! चंद्रयान 2 आंशिक रूप से सफल हुआ लेकिन पूरी तरह से नहीं। कुछ के लिए यह विफलता थी और समझदार लोगों के लिए यह सफलता की ओर एक कदम था। पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रयान 3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया और भारत इस उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला राष्ट्र बन गया। धनखड़ ने कहा कि देश की सेवा गर्व और निर्भीकता के साथ करें! हमेशा राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दें। आपका आचरण अनुशासन, शिष्टाचार और सहानुभूति का उदाहरण होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने वर्तमान और पूर्व छात्रों और समुदाय से आग्रह किया कि वे एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करें और युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करें और उन लोगों के खिला? कदम उठाएं जो ग्राउंड रियलिटी से अज्ञात हैं और भारत की अद्वितीय आर्थिक वृद्धि, विकास यात्रा और वैश्विक मंच पर उन्नति को नहीं मानते। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 10 दिसंबर 1962 को आरआईएमसी कैडेट्स को दिए गए भाषण को स्मरण दिलाते हुए दोहराया कि पृथ्वी बहादुरों की होती है, आत्मा में ताकत रखने वालों की होती है, आलसी और अक्षम लोगों की नहीं। इस महान प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता की दुनिया में हमें आत्मनियंत्रण और बलिदान से जीवन जीना होगा। इन महान आदर्शों को जीवन में धारण करें। धनखड़ ने कैडेट्स को कठिनाइयों के समय भी खड़ा रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मेरे प्रिय युवा कैडेट्स, आपकी व्यक्तिगत और पेशेवर यात्रा में, आप ऐसे क्षणों का सामना करेंगे जो आपको परखेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरआईएमसी और सैनिक स्कूलों में लड़कियों की भर्ती की सराहना करते हुए कहा कि ये कदम लिंग समानता और न्याय के लिए महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाते हैं।

# वायनाड में फिर भूस्खलन प्रशासन ने जारी की चेतावनी

**वायनाड।** वायनाड के पुंचरीमट्टम के पास शनिवार को भूस्खलन हुआ। 30 जुलाई को हुए भूस्खलन का केंद्र पुंचरीमट्टम में ही था। जिला प्रशासन ने क्षेत्र में खोज और अन्य काम में लगे लोगों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला इलाकों में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 78 लोग अभी भी लापता हैं। आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में कई दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश के चलते मुगलराजपुरम इलाके में हुए लैंडस्लाइड हुआ, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है विजयवाड़ा के मोगलराजपुरम इलाके में भूस्खलन के कारण बड़े-बड़े पत्थर मृतकों के घरों पर गिर गए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने भूस्खलन पीड़ितों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की राशि देने का एलान किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विजयवाड़ा के मोगलराजपुरम में भूस्खलन हुआ, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। सीएम नायडू ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है उन्होंने प्रत्येक मृतक व्यक्ति के परिजनों को 5-5 लाख की अनुग्रह राशि देने का एलान किया। सीएम ने अधिकारियों को भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से लोगों को दूर ट्रांसफर करने का निर्देश दिया क्योंकि अगले दो से तीन दिनों में भारी बारिश का अनुमान है।

# पूसीरे ने लांगटिंग स्टेशन यार्ड का टर्नआउट किया परिवर्तित

**गुवाहाटी ( हिंस )।** ट्रेन परिचालन की संरक्षा और दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की लमडिंग मंडल ने लमडिंग- बदरपुर हिल सेक्शन स्थित लांगटिंग यार्ड में मौजूदा 1 इन 12 ट्रैक टर्नआउट को अधिक सुरक्षित 1 इन 16 टर्नआउट सेट से सफलतापूर्वक प्रतिस्थापित कर लिया है। पूसीरे के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया है कि लांगटिंग यार्ड के पिछले 1 इन 12 टर्नआउन (प्वाइंट 101) को 3.5 डिग्री कर्व पर रखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप क्रॉसओवर पर 7.5 डिग्री की तीव्र वक्रता थी। इस तीव्र वक्रता की वजह से सुचारू ट्रेन परिचालन को बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। 1 इन 16 टर्नआउट को स्थापित कर परिणामी वक्रता को 5.73 डिग्री तक काफी कम कर दिया गया, जिससे यार्ड के माध्यम से सुरक्षित और अधिक कुशलता से ट्रेन आवाजाही की सुविधा मिलेगी है। प्रतिस्थापन प्रक्रिया में सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन शामिल था, जिसमें एमएफआई तकनीक का उपयोग करके मशीन टैम्पिंग के कई राउंड चलाए गए, जो पटरियों को और स्थिर करते हैं और इष्टतम संरेखण सुनिश्चित करते हैं।

# बज्रपात से घर में लगी आग में जलकर एक व्यक्ति की मौत

**मोरीगांव ( हिंस )।** मोरीगांव के मिकिरवेटा में आकाशीय बिजली गिरने से घर में लगी आग में जलने से एक व्यक्ति की मौत गई। यह घटना आज सुबह बारिश के बीच बिजली गिरने से हुई। इस घर को हारुन अली नामक शख्स ने खेत में कृषि कार्य के लिए बनवाया था। यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब सुबह बारिश के दौरान उसकी मौजूदगी में घर पर आकाशीय बिजली गिर गई। मिकिरवेटा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

# बदलनी होगी तारीख पर तारीख की संस्कृति : कानून मंत्री

**नई दिल्ली।** मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को भारत मंडपम में आयोजित जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा कि हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे। इन प्रयासों का मकसद न्याय तक सभी की पहुंच को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारे न्यायालय समाज के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल हों, खासतौर पर महिलाओं, दिव्यांगों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए। वहीं, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा कि एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी।

# तेलुगु भाषाई राज्यों में बाढ़ की स्थिति गंभीर, तेलंगाना में नौ की मौत

**विजयवाड़ा ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री चंद्रबाबू बाबू ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद विजयवाड़ा के कृष्ण जिले कार्यालय में शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा में जब तक बाढ़ पीड़ितों की पीड़ा का समाधान नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन चैन से नहीं बैठेगा। सीएम ने इस बात पर नाराजगी भी जताई कि अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर गंभीरता से समाधान खोजने में असफल रहे। शहर के सभी क्षेत्रों से दूध, भोजन, पीने के पानी, मोमबत्तियां और टॉर्च पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने एक लाख लोगों के लिए पर्याप्त भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ अतिरिक्त नावों और ट्रैक्टर लाने के भी आदेश दिए। सीएम ने स्पष्ट किया कि वह विजयवाड़ा में स्थिति सामान्य होने तक कलक्ट्रेट में ही रहेंगे। आज से विजयवाड़ा कलेक्टरेट सीएम का अस्थायी कार्यालय बन गया है। इस बीच विशाखा मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारी ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात शनिवार आधी रात को कलिंगपट्टनम के पास तट को पार कर गया। ऐसा कहा जाता है कि चक्रवात जो तट पार कर चुका है, अब जगदलपुर से 60 किमी दक्षिण-पूर्व और विशाखापत्तनम से 120 किमी उत्तर-पश्चिम में है। उन्होंने कहा कि यह धीरे-धीरे दक्षिण ओडिशा-विदर्भ तक पहुंचेगा और कमजोर हो जाएगा। इसके परिणामस्वरूप रविवार और सोमवार को तटीय आंध्र में व्यापक बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पलनाडु, एनटीआर, गुंटूर और प्रकाशम जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं एलुरु, कृष्णा और बापटला जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी आंध्र तट पर तेज़ हवाएं चलेंगी और मछुआरों को आज और कल शिकार पर न जाने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों में अमरावती में 26 सेमी, तिरुवूर में 25, गुंटूर में 23, तेनाली में 18, मंगलागिरी में 17 और विजयवाड़ा में 17.5 सेमी बारिश हुई। एनटीआर जिले के नंदीगामा मंडल के ऐतावरम गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुनेरु नदी तेज बहाव के साथ बह रही है। राजमार्ग पर घुटनों तक पानी भर जाने के कारण अधिकारियों ने वाहनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया है। पुलिस राजस्व अधिकारियों ने विजयवाड़ा-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को प्रवेश करने से रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। सूर्यापेट जिले के नल्लाबंदागुडेम में एक आरटीसी बस पलेरू धारा में फंस गई। बस में सवार 30 यात्री सुरक्षित किनारे पर पहुंच गए।

## पृष्ठ एक का शेष

### राज्य सरकार आज...

के लिए सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल राज्य के शिक्षा मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए प्रयासों की परिणति है, जहां सर्व शिक्षा अभियान के तहत बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती की गई थी। 2011-2012 से नौकरी की सुरक्षा को लेकर बनी चिंताओं के बावजूद, राज्य अब इन शिक्षकों को स्थायी सरकारी पदों पर स्थानांतरित करके उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने कहा कि 2 सितंबर असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन होगा। इस दिन, अपनी योग्यता साबित करने वाले लगभग 24,000 शिक्षकों को औपचारिक रूप से सरकारी कर्मचारी के रूप में शामिल किया जाएगा। इस बदलाव में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत कवरेज और शिक्षक की असामयिक मृत्यु की स्थिति में पूर्ण वेतन और पेंशन के प्रावधान जैसे लाभ शामिल होंगे। नियुक्ति पत्रों का औपचारिक वितरण गुवाहाटी के खानापारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में किया जाएगा, जहां सभी नव नियमित शिक्षकों को आमंत्रित किया गया है। उल्लेखनीय रूप से, यह निर्णय संविदा शिक्षकों द्वारा पिछले विरोध के बाद आया है, जिन्होंने नई व्यवस्था के तहत वेतन कटौती पर चिंता व्यक्त की थी। जबकि उन्होंने शुरू में पूर्ण वेतन संरक्षण की मांग की थी, राज्य सरकार नए नियुक्ति पत्र जारी करने पर अड़ी रही, जिसके परिणामस्वरूप संशोधित, कम मासिक वेतन मिलेगा। इन चुनौतियों के बावजूद, नियमितीकरण असम के शिक्षा क्षेत्र को स्थिर और बेहतर बनाने के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

### शोणितपुर में मिला ...

बम है और 1962 के युद्ध का है। भारत और चीन के बीच यह लड़ाई असम के पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लड़ी गई थी। एसपी ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत मिश्रा के नेतृत्व में मिसामारी कैंप से आई सेना की टीम की मदद से इसे सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया है। मोर्टार स्मोक बम एक प्रकार का गोला-बारूद होता है। 1962 के युद्ध में इसका इस्तेमाल दुश्मन की गोलीबारी से बचने के लिए धुआं फैलाने के लिए किया गया था। वैसे इसका इस्तेमाल अलग-अलग उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है।

### कैग रिपोर्ट : असम ...

रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की मजदूरी कम है। साथ ही असम सरकार ने न्यूनतम मजदूरी कानून, 1948 के तहत चाय श्रमिकों की कम मजदूरी की समस्या को दूर करने का प्रयास नहीं किया है। चाय बागान श्रमिक राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अनुसूचित रोजगार का हिस्सा नहीं हैं, जिसकी वजह से उन्हें न्यूनतम मजदूरी मानक और परिवर्तनीय महंगाई भत्ते का लाभ नहीं मिलता है। श्रम एवं कल्याण विभाग के सचिव ने कैग को बताया कि जब राज्य सरकार ने न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुसार वेतन बढ़ाने की पहल की, तो इसे अदालत में चुनौती दी गई और इसलिए, वेतन में वांछित वृद्धि नहीं की जा सकी। रिपोर्ट में बराक और ब्रह्मपुत्र घाटी के श्रमिकों के बीच वेतन में असमानता को भी रेखांकित किया गया है और कहा गया कि श्रम विभाग इसकी स्पष्ट वजह नहीं बता पाया। रिपोर्ट के अनुसार, बराक घाटी के श्रमिकों को ब्रह्मपुत्र घाटी के श्रमिकों की तुलना में *कम से कम 10 प्रतिशत कम* मजदूरी दर मिल रही है, और सरकार ने इस मुद्दे को हल करने के लिए कभी हस्तक्षेप नहीं किया।

### बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष...

हालिया आंकड़ों से एक कठोर सच्चाई सामने आई है: 2019 से जुलाई 2024 के बीच असम में बाढ़ से संबंधित 880 मौतें हुई हैं। मौतों की संख्या में हर साल उतार-चढ़ाव होता रहा है, 2022 में सबसे ज्यादा 278 मौतें हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने अपना समर्थन बढ़ा दिया है। असम को 2019 से 2022 तक राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के माध्यम से 503.10 करोड़ रुपए मिले। इस आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 2023 और 2024 के लिए संयुक्त रूप से 680.80 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। डीबीटी पहल का उद्देश्य सहायता वितरण को सुव्यवस्थित करना है, जिससे राहत प्रक्रिया में देरी और अक्षमता को कम किया जा सके। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि इस दृष्टिकोण से बाढ़ से प्रभावित लोगों को तेज और अधिक प्रत्यक्ष सहायता सुनिश्चित होगी।

### मियां मुसलमानों की...

इस प्रकार की मछली खाने से विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती है। अत्यधिक यूरिया व्यवहार करके जिस मछली का उत्पादन किया जाता है, उसके खाने की वजह से आज हमारे समाज में धीरे-धीरे किडनी संबंधी बीमारियां काफी बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव को नहीं देखते हुए स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इस मछली को वर्जित करना ही श्रेयस्कर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव को लेकर विधानसभा में काफी चर्चा हो चुकी है। इस पर वह और अधिक कुछ कहना नहीं चाहते हैं। लेकिन, इतना जरुर कहना है कि जब तक हम रहेंगे, हमारा समाज जिंदा रहेगा, तब तक हम अपने समाज व्यवस्था पर किसी भी प्रकार के आक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारे ऊपर इस प्रकार के आक्रमण करना सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों ने मियां बिहू भी बनाया है। मियां बिहू बनाने वाले अल्ताफ हुसैन को आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

### असम पुलिस ने विवादित ...

सभ्यता, परंपराओं या सांस्कृतिक प्रथाओं को इस तरह से बढ़ावा देता है जो हमारे मानदंडों से अलग है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उदाहरण के लिए, अगर बिहू को *मिया बिहू* में बदल दिया जाए, तो इसे असमिया लोग स्वीकार नहीं करेंगे। अल्ताफ हुसैन के बोल बांग्लादेशी विरोध गीत *देश टा तोमार बापेर नाकी* (क्या देश का मालिक तुम्हारा बाप है?) से मिलते जुलते हैं। मध्य असम के नगांव में अल्पसंख्यक समुदाय की 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद *मियास* के खिलाफ विरोध के बीच वायरल गाने ने जातीय समूहों की आलोचना को आकर्षित किया है। हालांकि, गीत में सांप्रदायिक सद्भाव का भी आह्वान किया गया है, असम को एकता के इतिहास वाली भूमि बताया गया है तथा सभी धर्मों के लोगों से राज्य की समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की अपील की गई है।

### न्यायालयों में स्थगन...

रहते हैं, मानो उन्हीं बेचारों ने कोई अपराध कर दिया हो। उन्होंने कहा कि अदालती परिस्थितियों में आम लोगों का तनाव स्तर बढ़ जाता है, जिसे उन्होंने *ब्लैक कोर्ट सिंड्रोम* नाम दिया और सुझाव दिया कि इसका अध्ययन किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कारावास काट रही महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी मेरा ध्यान कारावास काट रही माताओं के बच्चों तथा बाल अपराधियों की ओर जाता है। उन महिलाओं के बच्चों के सामने पूरा जीवन पड़ा है। ऐसे बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए क्या किया जा रहा है, इस विषय पर आकलन और सुधार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हाल के वर्षों में न्यायिक अधिकारियों के चयन में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। इस वृद्धि के कारण कई राज्यों में कुल न्यायिक अधिकारियों की संख्या में महिलाओं की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका से जुड़े सभी लोग महिलाओं के विषय में पूर्वाग्रहों से मुक्त विचार, व्यवहार और भाषा के आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। जनपद स्तर के न्यायालयों के महत्व को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जनपद स्तर के न्यायालय ही करोड़ों देशवासियों के मस्तिष्क में न्यायपालिका की छवि निर्धारित करते हैं। इसलिए जनपद न्यायालयों द्वारा लोगों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कम खर्च पर न्याय सुलभ कराना हमारी न्यायपालिका की सफलता का आधार है।

### भारत की यूपीआई ...

बीच 81 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत के वित्तीय तकनीक परिदृश्य में हो रहे बदलाव वास्तव में सामाजिक प्रभाव भी डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिनटेक को बढ़ाया देने की नीति के चलते आज यह अनौपचारिक अर्थव्यवस्था तक पहुंच रहा है और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच वित्तीय सेवाओं में अंतर को पाटने में मदद कर रहा है। आज भारत का यूपीआई के रूप में डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बना है। मोदी सरकार में साल 2016 में शुरू की गई यूपीआई ने भारत में डिजिटल लेनदेन को अत्यंत सुगम बनाया दिया है। लेन-देन समेत बैंकिंग सेवाओं को डिजिटल बनाने के मामले में भारत ने उल्लेखनीय तरक्की की है और प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से इस वर्ष अप्रैल से जुलाई की अवधि में 81 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ है। इसमें सालाना आधार पर 37 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। डेटा के अनुसार यूपीआई से प्रति सेकंड 3,729.1 लेनदेन हो रहे हैं। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 2,348 लेनदेन प्रति सेकंड था। इस दौरान यूपीआई से लेनदेन में 58 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत का विकसित यह मंच आज दुनिया के लिए मॉडल बन रहे हैं। यूपीआई ने पूरी दुनिया के लिए वित्तीय समावेशन प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ठाकुर में कहा कि कांग्रेस नेता एक समय यूपीआई और डिजिटल इंडिया का मजाक उड़ाते थे। आज अब वही डिजिटल इंडिया आम आदमी की ताकत बन चुकी है। आज फल व सब्जी विक्रेता तक यूपीआइ से लेनदेन कर रहे हैं। कांग्रेस भारत की जनता की क्षमता पर संदेह करती थी, उनका मजाक उड़ाते थे। खुलेआम कहा जाता था कि गरीब लोग डिजिटल का मतलब भी नहीं समझ पाएंगे, लेकिन मोदी सरकार का देश के सामान्य मानविकी समझ पर भरोसा था। मोदी सरकार ने खुद आगे बढ़कर डिजिटल पेमेंट्स का रास्ता आसान बनाया हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में भारत शीर्ष पर है। यहां 40 फीसदी के करीब लेनदेन डिजिटल तौर पर किए जाते है। डिजिटल भुगतान करने के लिए लोग सबसे ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मर्चेंट्स द्वारा यूपीआई क्यूआर कोड के जरिए भुगतान स्वीकार करने और क्रॉस बॉर्डर भुगतान के लिए यूपीआई को अन्य देशों के तेज भुगतान प्रणाली से जोड़ने के लिए कार्यरत है।

### बांग्लादेश : हिंदू शिक्षकों ...

पहले, उन्होंने बरिशाल में सरकारी ब्रोजोमोहन (बीएम) कॉलेज में अंग्रेजी प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। सोशल मीडिया पर कई शिक्षाविदों और पूर्व छात्रों ने उनके जबरन इस्तीफा लिए जाने की निंदा की। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात चिंताजनक हैं, सरकारी अधिकारियों को मार रहे हैं। उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। जेलों में डाला जा रहा है। हिंदुओं के अलावा, अहमदिया मुसलमानों को भी प्रताड़ित किया जा रहा है, उनके उद्योगों को जलाया जा रहा है। सूफी मुसलमानों की मजारों और दरगहों को ध्वस्त किया जा रहा है। इन सब पर नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस चुप हैं। दावा किया जा रहा है कि शेख हसीना के देश छोड़ने के दिन 05 अगस्त से अबतक करीब 50 हिंदु शिक्षकों को देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से इस्तीफा देना पड़ा है। बांग्लादेश छात्र एक्स परिषद ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। जिन शिक्षकों पर इस्तीफा देने के दवाब बनाया जा रहा है उनमें से पुलिस लाइन हाई स्कूल एंड कॉलेज, ठाकुरगांव के प्रधानाचार्य भुवेशचंद्र रॉय, होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज की सहायक प्रोफेसर सोनाली रानी दास, चांदपुर के पुराण बाजार डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य रतन कुमार मजुमदार, काजी नजरुल इस्लाम विवि के कुलपति सौमित्र शेखर, खुलना के कोईर स्थित कपोतक्ष महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अद्रिश आदित्य मंडल, अरबी के जनसंपर्क प्रशासक डॉ. प्रणब कुमार पांडे सहित कई अन्य शिक्षक व प्रशासक शामिल हैं।

### असम में 3.6 ...

झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र असम के मोरीगांव जिला में 23 किलोमीटर जमीन के नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.25 उत्तरी अक्षांश तथा 92.39 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही सनसनी फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। असम समेत पूरा पूर्वोत्तर भूकंपीय जोन 5 के अंतर्गत आता है, जिसके चलते आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

### लापता हेलीकॉप्टर में ...

खराब दृश्यता के कारण हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने टेलीग्राम पर लिखा कि हवाई सर्वेक्षण करके लापता हेलीकॉप्टर के मलबे का पता लगाया गया है। यह उस स्थान के निकट 900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जहां से इससे आखिरी बार संपर्क हुआ था। हेलीकॉप्टर पर सवार यात्रियों या चालक दल के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। रूस की संघीय वायु परिवहन एजेंसी ने इसके पहले एक बयान में कहा था कि एमआई-आठ हेलीकॉप्टर ने शनिवार को कामचटका क्षेत्र में वाचकाजेट्स ज्वालामुखी के करीब उड़ान भरी, लेकिन निर्धारित गंतव्य तक नहीं पहुंचा। इसमें कहा गया है कि उसका मानना है कि विमान में 19 यात्री और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। एमआई-8 दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है जिसे वर्ष 1960 में बनाया गया था। इसका रूस समेत अन्य देशों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

### रोबोटिक सहायता से ...

थी, जब कई मरीज घुटने के उन्नत दर्दनाक गठिया के साथ भी अस्पताल जाने और कोई सर्जरी कराने में झिझक रहे थे। भले ही वे कोई भी दैनिक कार्य करने में असमर्थ थे। ऑस्टियो आर्थराइटिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें उम्र और अत्यधिक परिश्रम के कारण घुटने के जोड़ की कार्टिलेज पूरी तरह से घिस जाती है और खुरदरी हो जाती है, जिससे हड्डियों के बीच सुरक्षात्मक स्थान कम हो जाता है। लंबे समय तक लापरवाही के कारण जोड़ों की हड्डियों के बीच घर्षण होता है, जिससे दर्दनाक हड्डी के स्पर्स बनते हैं जो गतिशीलता को कम करके घुटने के जोड़ में और जटिलताएं जोड़ते हैं। जबकि पारंपरिक टोटल नी रिप्लेसमेंट में कभी-कभी मरीज को अस्पताल में 7 दिन या उससे अधिक समय तक रहना पड़ सकता है, क्योंकि इससे उसे चलने-फिरने में देरी हो सकती है, अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई के डॉ. माधवन थिरुवेंगडा रोबोटिक सहायता से यह अनूठी फास्ट ट्रैक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को कम दर्द और कम से कम खून की हानि के साथ जल्दी ठीक होने में मदद मिलती है, जिससे मरीज को 24-48 घंटों के भीतर जल्दी चलने-फिरने और अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। साथ ही सर्जरी के बाद निरंतर निगरानी और पुनर्वास की सुविधा भी मिलती है। डॉ. माधवन थिरुवेंगडा के बहुआयामी दृष्टिकोण, इस अनूठी शल्य चिकित्सा तकनीक का उपयोग, साक्ष्य आधारित उपचार और अनुकूलित लॉजिस्टिक्स के साथ, कई रोगियों को बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने में मदद मिली है, जो लंबे समय से घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित थे।

### रूस ने यूक्रेन खार्किव ...

के अन्य संरचनाओं को भी काफी नुकसान पहुंचा है। इन हमलों में कुल 5 लोगों की मौत हो गई है और 55 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है और अस्पतालों में उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। एक वीडियो में शॉपिंग सेंटर पर मिसाइल हमले के क्षण को कैद किया गया है। इसमें धमाके की भयंकरता और इमारत के क्षतिग्रस्त हिस्सों को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इससे पहले रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में 158 ड्रोन मार गिराए, जिनमें से दो ड्रोन मॉस्को शहर में और नौ मॉस्को के आसपास के क्षेत्र में नष्ट किए गए। यूक्रेन की ओर से बीती रात किए गए ड्रोन हमलों को उसकी ओर से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया जा रहा है। कुर्स्क क्षेत्र में 46 ड्रोन नष्ट किए गए, जहां यूक्रेन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से रूसी सरजमीं पर सबसे बड़े आक्रमण के तहत हाल के सप्ताहों में अपने सैनिकों को भेजा है। यूक्रेन के इन ड्रोन हमलों से अब लड़ाई अग्रिम मोर्चे से रूस की राजधानी तक भी पहुंच गई है। इस साल की शुरुआत से ही यूक्रेन ने रूसी जमीन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं और उसकी रिफाइनरी तथा तेल केंद्रों को निशाना बनाया है।

### मणिपुर में फिर से ...

दोपहर करीब दो बजे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने इंफाल पश्चिम जिले के कांगचुप इलाके के कावतरू गांव में गोलीबारी की। एक महिला सुरबाला नगांगबाम (31), उसके 12 वर्षीय बच्चे और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी। जब इन लोगों को लैंगफेल के *रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज* में ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने सुरबाला नगंगबाम को मृत घोषित कर दिया। बाकी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर सशस्त्र पुलिस मौके पर गई। उग्रवादियों और पुलिस के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें राज मेडिसिटी ले जाया गया। शाम को भी इलाके में फायरिंग की आवाजें सुनी जा रही हैं, जिससे सुरक्षा बलों की उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ जारी होने का अनुमान लगाया गया है।

## केंद्री मंत्री शेखावत ने सप्तनीक किए मां कामाख्या के दर्शन

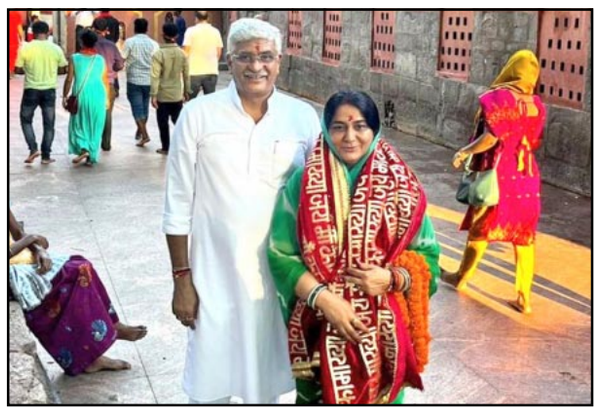

**गुवाहाटी ( हिंस )।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज असम और मेघालय के तीन दिनी प्रवास के दौरान सप्तनीक मां कामाख्या के दर्शन कर उनके चरणों में अपनी प्रार्थनाएं समर्पित कीं। शेखावत ने कहा कि दिव्य अनुभूति प्रदान करने इस शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित *प्रसाद* योजनांतर्गत मंदिर तक ले जाने वाले तीन पथों को बेहतर बनाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध अंबुबासी मेला मैदान को विकसित किया गया है। मल्टीस्टोरी कार पार्किंग भी निर्माणाधीन है। इसी प्रकार व्यू प्वाइंटों में निर्माण कार्य जारी है। पर्यटन के अन्य स्थानों को विकसित करने के साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रख रिटेनिंग वाल तैयार की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मां कामाख्या के आशीर्वाद से धार्मिक-आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास सफल सिद्ध हो रहे हैं।

# भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न, जान-जीवन अस्त-व्यस्त

### आईएमडी ने जारी की चेतावनी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** शनिवार की शाम तथा आज सुबह हुई भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। भारतीय मौसम विभाग द्वारा कल शाम भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। प्रशासन द्वारा 7 से 11 सेमी बारिश होने की चेतावनी दी गई थी। शहर के कई इलाकों में पानी भर जाने के कारण आज सुबह से ही जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुवाहाटी के जीएस रोड, तरुण नगर, नबीननगर, जू रोड, अंबिकागिरी नगर, गणेशगुड़ी, चांदमारी, बेलतला, हाथीगांव, गीता नगर, छहमाइल, रुक्मिणीगांव, नूनमाटी, काहिलीपाड़ा, जोराबाट समेत कई इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है। बाढ़ के कारण यातायात बाधित हो चुका है। सड़कों पर गाड़ियां फंसी हुई हैं। लोगों के घरों में कई स्थानों पर कमर तक पानी भरा हुआ है। जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ज्ञात हो कि 1 घंटे की जोरदार बारिश में ही गुवाहाटी शहर के अनेक

इलाके जलमग्न हो रहे हैं। इस वर्ष बरसात के मौसम में अबतक ऐसा कई बार हो चुका है। मेघालय के पहाड़ों से पानी आकर गुवाहाटी में भीषण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर देता है। प्रशासन द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार और भी बारिश होने की संभावना है।

## पूर्व राज्यसभा सांसद रिपुन बोरा ने तृणमूल कांग्रेस से दिया इस्तीफा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राज्यसभा के पूर्व सदस्य रिपुन बोरा ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि असम के लोग ऐसी पार्टी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, जिसे वे दूसरे राज्य का मानते हैं। इन चुनौतियों और पर्याप्त समाधान की कमी के मद्देनजर मैं एक कठिन निर्णय लेने के लिए खुद को बाध्य महसूस करता हूं और मैंने खुद को टीएमसी से अलग करने का फैसला किया है। पार्टी प्रमुख को अपना त्यागपत्र भेजते हुए रिपुन बोरा ने कहा कि अप्रैल 2022 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने के बाद से मैंने और मेरी टीम ने असम में पार्टी के विकास के लिए अथक प्रयास किया है। पार्टी को भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक विकल्प के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। टीएमसी में शामिल होने का मेरा फैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और आपके नेतृत्व के प्रति मेरी प्रशंसा से प्रेरित था और मैंने इस मिशन के लिए पूरे दिल से प्रतिबद्धता जताई। बोरा ने कहा कि असम टीएमसी में काफी संभावनाएं हैं लेकिन कई बार-बार आने वाले मुद्दों ने हमारी प्रगति में बाधा डाली है, जिसमें पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी के रूप में टीएमसी की धारणा भी शामिल है। इस धारणा का मुकाबला करने के लिए हमने कई सुझाव दिए, जैसे कि राष्ट्रीय स्तर पर एक असमिया नेता की आवश्यकता, टॉलीगंज में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका के निवास को एक विरासत स्थल घोषित करना और कुचबिहार में मधुपुर सत्र (वह स्थान जहां से असम के सबसे बड़े समाज सुधारक महापुरुष शंकर देव ने वैष्णव आंदोलन की शुरुआत की थी) को एक सांस्कृतिक केंद्र में परिवर्तित करना। इन चिंताओं को दूर करने के लिए डेढ़ साल से बार-बार प्रयासों के बावजूद मैं असफल रहा हूं।

## भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

**गुवाहटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के पलटन बाजार थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर बोरा सर्विस इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 6 साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 79.5 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान रसीदुल इस्लाम (24, धुबड़ी) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एसटीएफ ने हेरोइन के अलावा एक मोबाइल फोन, नगद 10,800 रुपए और ड्रग्स तस्करी के लिए व्यवहार की जा रही स्कूटी (एएस-01एफएच-9840) जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी को एसटीएफ ने ड्रग्स समेत स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। घटना के संबंध में पलटन बजार पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

## असम में आज से शराब का दाम हुआ कम

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम में आज से शराब का दाम कम किया गया है। शराब के दाम में 22 रुपए से लेकर 214 रुपए तक की कमी आयी। शराब की कीमतों में गिरावट के मद्देनजर आबकारी शुल्क में कमी आएगी। पांच फीसदी से कम अल्कोहल वाली 650 मिलीलीटर बीयर की कीमत में 22 रुपए की कमी आई है। वहीं, पांच फीसदी से अधिक अल्कोहल वाली 650 मिलीलीटर बीयर की कीमत में 34 रुपए प्रति लीटर की कमी आई है। जनरल ब्रांड के रम के 750 मिलीलीटर के दाम में 117 रुपए की कमी आई है। रेगुलर ब्रांड के 750 मिलीलीटर वाले व्हिस्की, जिन आदि के दाम में 144 रुपए की कमी आई है। इनके अलावा लग्जरी ब्रांड के 750 मिलीलीटर ब्रांडी, व्हिस्की, जिन की कीमत में 166 रुपए की कमी आई है। लक्जरी ब्रांड के 350 रुपए से 500 रुपए के बीच मूल्य वाले 750 मिलीलीटर रम की कीमत 166 रुपए कम हो गई है। हाथी ब्रांड के 750 मिलीलीटर की ब्रांडी, व्हिस्की, जिन-जिसकी कीमत 500 रुपए से 700 रुपए के बीच है, उसमें 214 रुपए की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 1 अप्रैल को शराब की कीमत बढ़ाई गई थी। शराब की कीमतों में 150 रुपए से लेकर 312 रुपए तक बढ़ोत्तरी की गई थी। शराब के मूल्य में कमी आने की खबर से राज्य के शराब प्रेमियों के बीच खुशी देखी जा रही है।

## प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर ने मनाया अपना 57वां स्थापना दिवस

**गुवाहाटी ( हिंस )।** प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनपुर ने अपना आज अपना 57वां स्थापना दिवस मनाया। वाहिनी की स्थापना 1 सितंबर, 1968 को ग्रुप सेंटर एसएसबी श्रीनगर के गढ़वाल में की गई थी और वर्ष 2002 में, ग्रुप सेंटर एसएसबी श्रीनगर, गढ़वाल को 1 बीएन एसएसबी के रूप में फिर से डिजाइन किया गया था। 26 सितंबर, 2002 को, प्रथम वाहिनी को श्रीनगर, गढ़वाल से डीडीहाट, उत्तराखंड में स्थानांतरित कर दिया गया था। जुलाई 2009 में फिर से वाहिनी को डीडीहाट से महाराजगंज, उत्तर प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया गया और 1 जून, 2018 को इस वाहिनी को सोनपुर में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में खेल कार्यक्रम के साथ हुई जिसकी अध्यक्षता एसएसबी प्रथम वाहिनी

कमांडेंट सुनील कौशिक ने की। इस अवसर पर सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी महानिरीक्षक बीएस जसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि द्वारा एक नवनिर्मित सुसज्जित वेट कैंटीन का उद्घाटन किया गया। स्वयंसिद्ध सदस्यों और बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें देश के कौने- कौने से आए विशाल संस्कृतियों को छूने वाले एसएसबी बिरादरी के अलावा स्कूली छात्रों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। महानिरीक्षक जसवाल, कमांडेंट प्रथम वाहिनी सुनील कौशिक, अधिकारियों ने स्कूली बच्चों, स्थानीय आबादी के प्रति उनकी भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और इस दिन को एक उल्लेखनीय दिन के रूप में चिह्नित किया।

## टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा और गोपाल सिंघानिया सचिव नियुक्त किए गए

**गुवाहाटी।** टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने कल होटल एपी होम्स, अठगांव, गुवाहाटी में 47वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। बैठक की शुरुआत एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने अपने स्वागत भाषण से की। अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की और लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड समारोह का संचालन किया, जिसमें पूर्व अध्यक्ष सीए महिपाल पाटनी, पूर्व उपाध्यक्ष सीए निर्मल कुमार दोसी और संस्थापक सदस्य एडवोकेट राधेश्याम शर्मा को सम्मानित किया गया और लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। इसके बाद अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने सदस्यों को पुरस्कार प्रदान किये। कार्यकारी समिति ने वर्ष 2023-24 के दौरान उत्कृष्ट कार्य और प्रयासों के लिए अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा को उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किया। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के सभी प्राप्तकर्ताओं ने बैठक को संबोधित किया और एसोसिएशन में अपने

अनुभव साझा किए। बैठक में सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने वर्ष 2023-24 की वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। इसके बाद कोषाध्यक्ष सीए मानस जैन ने वर्ष 2023-24 के लिए अंकेक्षित वार्षिक लेखा प्रस्तुत किया, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनाया। बैठक सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई। वार्षिक आम बैठक के समापन के बाद एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। बैठक की शुरुआत एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा ने अपने स्वागत भाषण से की। इसके बाद सदस्यों ने सर्वसम्मति से अधिवक्ता दिनेश कुमार शर्मा को वर्ष 2024-25 के लिए एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना और सीए गोपाल सिंघानिया को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का सचिव चुना गया। अधिवक्ता संजय कुमार सुरेका और सीए पंकज खंडेलिया को उपाध्यक्ष, सीए मानस जैन को कोषाध्यक्ष और अधिवक्ता महिपाल सिंह को संयुक्त सचिव चुना गया। एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा का अभिनंदन कर उन्हें कार्यभार सौंपा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा ने सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और आगामी वर्ष के दौरान उनका पूर्ण सहयोग मांगा। बैठक सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

## उत्तराखंड के मंत्री जोशी ने की मां कामाख्या की पूजा-अर्चना

**गुवाहाटी /देहरादून ( हिंस )।** उत्तराखंड के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ी पर स्थित मां कामाख्या की पूजा-अर्चना की। जोशी अपने असम दौरे के दौरान आज 51 शक्तिपीठों में से एक विश्व विख्यात मां कामाख्या मंदिर पहुंचकर मां कामाख्या के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने माता रानी से आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि की कामना की।

## हेरोइन के साथ महिला समेत तीन गिरफ्तार

**होजाई ( हिंस )।** होजाई जिले के जमुनामुख में पुलिस ने छापामारी कर साबुनदानी के छह डिब्बे में 240 ग्राम हेरोइन बरामद किया। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जमुनामुख के पटियापथार से एक महिला समेत तीन लोगों को इस दौरान हेरोइन के साथ पकड़ा गया।

## नगरबेड़ा बाजार व्यापारी संघ की आम बैठक संपन्न

**नगरबेड़ा ( विभास )।** कामरूप जिले के बोको-छयगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेरा बाजार व्यापारी संघ की वार्षिक आम सभा आज होली चाइल्ड पब्लिक एकेडमी हॉल में हुई। नगरबेड़ा मार्केट व्यवसाय एसोसिएशन के अध्यक्ष जनार्दन कलिता की अध्यक्षता में हुई बैठक का उद्देश्य बताया एसोसिएशन के सचिव महमूदुर रहमान ने समझाया। बैठक में संस्था के वार्षिक हिसाब दाखिल करने के अंत में, नगरबेड़ा बाजार में गार्ड की नियुक्ति, सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति, व्यापारियों के मासिक योगदान का निर्धारण, एक वित्तीय उप-समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा बैठक में साप्ताहिक बाजार बंद करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में मार्केट व्यापारी संघ के सलाहकार सत्य नारायण साहा, कालीचरण पाल, नगरबेड़ा मौजा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, मार्केट व्यवसाय एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमजद हुसैन प्रधान सहित करीब 200 व्यापारी उपस्थित थे।

## श्री दिगंबर जैन मंदिर में कलशाभिषेक का आयोजन

**गुवाहाटी।** स्थानीय फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में पयुषर्ण पर्व के पूर्व जिनेंद्र भगवान का बृहद कलसा भिषेक का आयोजन किया गया। इस मौके पर 1008 श्री नेमिनाथ भगवान व आदिनाथ भगवान आदि जिनेंद्र प्रतिमाओ का प्रक्षाल (मार्जन) किया गया। तत्पक्षा मुलनायक नेमिनाथ भगवान का सर्वप्रथम कलशाभिषेक करने का सौभाग्य कुंडलमल- प्रकाशशचंद रारा एवं नेमीचंद-चंद्रकला देवी छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ आदिनाथ भगवान का सर्वप्रथम कलशाभिषेक करने का सौभाग्य महेंद्र कु.-विकास कुमार काला एवं अशोक कु.- संगीता देवी बगड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। वही मुनि सुब्रतनाथ भगवान का सर्वप्रथम कलशाभिषेक करने का सौभाग्य छोगमल- मदन लाल सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि इसी क्रम में ऐसी हाल में भी (नेमिनाथ भगवान) का सर्वप्रथम कलशाभिषेक करने का सौभाग्य सुशील कु.- संगीता देवी गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। प्रचार प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के बच्चे, पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लेकर पूर्णयाजन किया। पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन(गंगवाल) व मंत्री वीरेंद्र कु. सरावगी ने समाज के सभी परिवारों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

## दो बच्चों के साथ ब्रह्मपुत्र नद में कुदी महिला

**डिब्रूगढ़ ( हिंस )।** डिब्रूगढ़ जिले के बगीबिल इलाके में स्थित ब्रह्मपुत्र नद में एक महिला द्वारा अपने दो बच्चे के साथ आत्महत्या करने की इरादे से छलांग लगाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि बोगीबिल इलाके में स्थित ब्रह्मपुत्र नद के किनारे एक महिला का बैग और दो बच्चों का चप्पल बरामद किया गया है। जिससे आशंका व्यक्त की गई है कि महिला अपने दो बच्चों के साथ नद में छलांग लगा दिया है। हालांकि, महिला का परिचय अभी तक सामने नहीं आया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ के टीम नद में अभियान चला रही है। अंतिम जानकारी तक महिला और उसके दोनों बच्चों का कुछ पता नहीं चल पाया था।

## बारिश से फैंसी बाजार स्थित एमएस रोड में कृत्रिम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न

**गुवाहाटी ( विभास )।** थोड़ी देर की बारिश में गुवाहाटी के विभिन्न अंचलों में के साथ-साथ फैंसी बाजार का एस रोड में भयंकर रूप से कृत्रिम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। एमएस रोड में स्थित रिहायसी इमारतो में भी पानी घुस गया। तेरापंथ भवन में आज पर्युषण महापर्व का प्रथम दिन था। अत: श्रद्धालुओं को पर्युषण पर्व पर तेरापंथ भवन पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्योंकि कृत्रिम बाढ़ का पानी तेरापंथ भवन तक पहुंच गया था। अत: श्रद्धालुओं को चावल पट्टी के अंदर से पीछे के गेट द्वारा भवन में प्रवेश कराया गया। यह बात गुवाहाटीवासियों के लिए नई-नहीं है। आज रविवार को सुबह 7 बजे हुई मूसलाधार बारिश से नगर के सभी अंचल पानी में डूब गए। ऐसा कोई भी कोना नहीं है जहां जल जमाव नहीं हुआ हो। मुख्य सड़कों सहित सभी उपपथ भी पानी में इस तरह डूब गए कि उनका ओर छोर का भी पता नहीं चलता है। ऐसी स्थिति में गड्ढे में गिरने की दुर्घटनाएं अधिक होती है। वर्तमान में जहां-तहां फ्लाई ओवरों के निर्माण कार्य के

चलते सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं। इसके अलावा नालो के पुनर्निर्माण के चलते भी जगह-जगह नालों की खुदाई करके छोड़ दी गई है। इससे समस्या और अधिक जटिल हो जाती है। सड़कों पर यह खुदाई का कार्य आगामी कई वर्षों तक इसी तरह से चलता रहेगा। क्योंकि कभी कोई फ्लाई ओवर का निर्माण शुरू हो जाता है, कभी किसी नले की खुदाई का काम शुरू हो जाता है। ऐसे में आगामी कई वर्षों तक इस समस्या का निदान नहीं दिखाई दे रहा है।

संपादकीय

# 'जमानत' संवैधानिक नियम

**सर्वोच्च** अदालत के न्यायाधीश कई संदर्भों में यह टिप्पणी करते रहे हैं कि न्यायिक सिद्धांत में जेल 'अपवाद' है और जमानत 'नियम' है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी यह सिद्धांत लागू होता है। निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए और जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने 'प्रेम प्रकाश बनाम प्रवर्तन निदेशालय' के मामले में आरोपित को जमानत दी है। मामला धनशोधन का ही था। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 'भारत राष्ट्र समिति' की नेता के. कविता को भी सर्वोच्च अदालत ने जमानत पर रिहा किया है। हालांकि सिसोदिया को करीब डेढ़ साल और कविता को पांच महीने जेल में काटने पड़े हैं, जबकि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी केस में जेल में अब भी बंद हैं। मामले का औपचारिक ट्रायल अभी शुरू नहीं हो पाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच पूरी कर आरोप-पत्र अदालत में दाखिल कर दिए हैं, जबकि सीबीआई जांच अभी जारी है। 'जेल-जमानत' वाले न्यायिक सिद्धांत के पीछे सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश औसतन व्यक्ति की मुक्ति के मौलिक और संवैधानिक अधिकार की दलील देते रहे हैं कि महज जांच और पूछताछ के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में बंद रखना गैर-न्यायिक है। जमानत का प्रावधान भी संवैधानिक नियम है। 'जेल बनाम जमानत' वाले सिद्धांत पर उन दो न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया है, जो भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में हैं। बीते कुछ समय से 'जमानत' को लेकर सर्वोच्च अदालत की मानसिकता और सोच में बदलाव आया है। यकीनन यह स्वागत-योग्य निर्णय है, क्योंकि मानवीय है। यह बदलाव अपेक्षित और कालातीत भी था और कई मंचों पर विमर्श के जरिए मांग की जा रही थी कि जमानत की प्राथमिकता होनी चाहिए। एक अहम कारण यह भी रहा है कि देश में जितनी जेलें हैं और उनमें कैदियों की क्षमता है, उनसे अधिक कैदियों को जेल में बंद किया जा रहा है। हिरासत वाले आरोपितों को भी जेल में कैद किया जा रहा है, लिहाजा लगातार अनियमितताएं और विसंगतियां उभर कर सामने आ रही हैं। करीब दो साल पहले 'विजय मदनलाल चौधरी बनाम भारत सरकार' के केस में सर्वोच्च अदालत ने धनशोधन निवारण कानून के अत्यंत कड़े प्रावधानों को 'सही' करार दिया था। राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सरकार ने ईडी के अतिरिक्त दुरुपयोग को बढ़ा दिया है, ऐसी शिकायतों और दलीलों के मद्देनजर अदालत ने वह फैसला सुनाया था। दुरुपयोग के डर और शिकायतों को खारिज कर दिया गया था, लिहाजा वह न्यायिक फैसला आज भी 'देश का कानून' है। जिस सिद्धांत की आज चर्चा की जा रही है, उसके बिल्कुल विरोधाभास में यह कानूनी फैसला है। फिर भी शीर्ष अदालत के स्तर पर ही व्याख्याएं और कोशिशें की जा रही हैं कि जेल पर जमानत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जुलाई में शराब घोटाले के संदर्भ में ही केजरीवाल को जमानत देते हुए सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों ने ईडी की व्यापक शक्तियों पर सवाल उठाए थे, जिनके तहत एजेंसी गिरफ्तारियां करती रही है। जमानत के बावजूद केजरीवाल सीबीआई केस में जेल में बंद हैं। हालांकि वह केस भी बड़ी न्यायिक पीठ को सौंप दिया गया है, लेकिन अदालत की पीठ ने टिप्पणियां की थी कि ईडी अपने आप में ही विश्वास कर लेती है और उसी आधार पर किसी को भी गिरफ्तार कर लेती है। व्यक्ति को आरोपी मान लेती है। किसी को भी गिरफ्तार करने से पूर्व लिखित में देना चाहिए कि एजेंसी फलां आधार पर आपको गिरफ्तार करना चाहती है।

धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी यह सिद्धांत लागू होता है। निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए और जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने 'प्रेम प्रकाश बनाम प्रवर्तन निदेशालय' के मामले में आरोपित को जमानत दी है। मामला धनशोधन का ही था। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 'भारत राष्ट्र समिति' की नेता के. कविता को भी सर्वोच्च अदालत ने जमानत पर रिहा किया है। हालांकि सिसोदिया को करीब डेढ़ साल और कविता को पांच महीने जेल में काटने पड़े हैं, जबकि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी केस में जेल में अब भी बंद हैं। मामले का औपचारिक ट्रायल अभी शुरू नहीं हो पाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच पूरी कर आरोप-पत्र अदालत में दाखिल कर दिए हैं, जबकि सीबीआई जांच अभी जारी है। 'जेल-जमानत' वाले न्यायिक सिद्धांत के पीछे सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश औसतन व्यक्ति की मुक्ति के मौलिक और संवैधानिक अधिकार की दलील देते रहे हैं कि महज जांच और पूछताछ के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में बंद रखना गैर-न्यायिक है।

पश्चिमी घाट की 1400 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छह राज्यों से गुजरती है

# वायनाड त्रासदी में छुपा सच

डा. ओपी जोशी

**केरल** का वायनाड हो या उत्तराखंड का जोशीमठ, सभी ने पिछले कुछ सालों में भीषण त्रासदियों को भुगता है। विडंबना यह है कि ये त्रासदियां विकास के अंधे राजनेताओं, नीति-निर्माताओं और बिल्डर-ठेकेदारों के कॉकस की पहल पर बाकायदा जानते-बूझते रची जा रही हैं। देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, समाजशास्त्री, कानूनविद, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट सरीखी सर्वोच्च अदालत ने भी विकास की मौजूदा हवस के खिलाफ अपनी-अपनी तरह से आवाज उठाई है, लेकिन 'विकास यात्रा' बदस्तूर जारी है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। केरल के वायनाड में 30 जुलाई की रात्रि भूस्खलन से हुई त्रासदी के बाद राज्य सरकार ने एक अगस्त को जारी एक आदेश तुरंत वापस ले लिया। आदेश में कहा गया था कि वैज्ञानिक इस त्रासदी के संदर्भ में अपनी राय सार्वजनिक नहीं करें एवं अपने तक ही सीमित रखें। साथ ही वैज्ञानिक इस बाबत कोई अध्ययन करना चाहें तो वे पहले सरकार से अनुमति लें। इस आदेश के पीछे राज्य सरकार का भय प्रतीत होता है। शायद पहले किसी वैज्ञानिक ने इस त्रासदी के बारे में कोई चेतावनी या सलाह दी होगी जिसे अनदेखा किया गया होगा। इस हरकत से सरकार कटघरे में तो आ ही जाती है। वायनाड पहाड़ी जिला है एवं पश्चिमी घाट का हिस्सा है। पश्चिमी घाट की 1400 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छह राज्यों से गुजरती है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, समाजशास्त्री, कानूनविद, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट सरीखी सर्वोच्च अदालत ने भी विकास की मौजूदा हवस के खिलाफ अपनी-अपनी तरह से आवाज उठाई है, लेकिन 'विकास यात्रा' बदस्तूर जारी है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। केरल के वायनाड में 30 जुलाई की रात्रि भूस्खलन से हुई त्रासदी के बाद राज्य सरकार ने एक अगस्त को जारी एक आदेश तुरंत वापस ले लिया।

विश्व के आठ सर्वाधिक जैव-विविधता वाले स्थानों (हॉट स्पाट्स) में एक पश्चिमी घाट भी है। पश्चिमी घाट के पर्यावरण को लेकर सरकार ने पहले भारतीय विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेगलुरु) में पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र के संस्थापक प्रोफेसर माधव गाडगिल की अध्यक्षता में 'पश्चिमी घाट पारिस्थितिक विशेषज्ञ पैनल' (डब्ल्यूजीईपी) गठित किया था। इस पैनल ने अगस्त 2011 तक अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंप दी थी, लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने लंबे समय तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की और न ही इसे सार्वजनिक चर्चा के लिए जारी किया। प्रोफेसर गाडगिल ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी घाट के 164280 हेक्टेयर इलाके को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के अलावा विकास के नाम पर की जाने वाली विनाशकारी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की अनुशंसा की थी। गाडगिल समिति पर लीपापोती करने की गरज से सरकार ने अगस्त 2012 में इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन प्रमुख प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक और समिति का गठन कर दिया। यह समिति दरअसल एक उच्च स्तरीय कार्यसमूह था जिसका काम गाडगिल समिति की रिपोर्ट की समग्र और बहु विषयक तरीके से जांच करना था। इस समिति ने 60000 हेक्टेयर क्षेत्र को पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र (इकोलाजिकली सेंसिटिव जोन) बनाने का सुझाव दिया था। दोनों ही समितियों के सुझावों पर ध्यान नहीं देकर केन्द्र सरकार ने सम्बन्धित राज्य सरकारों को संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े उद्योग एवं व्यापक खनन कार्य को छोडक़र व्यावसायिक एवं विकास गतिविधियां करने की अनुशंसा की। पर्यावरण की परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रखकर की गई गतिविधियों से इस पर्वतमाला के कई भाग उजाड़ एवं जर्जर हो गए। वायनाड के संदर्भ में पढने में आया कि यहां जिस क्षेत्र में भूस्खलन हुआ, वहां कुछ वर्षों पहले बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए थे। वर्ष 2022 के एक अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 1950 से लेकर 2020 के मध्य तक वायनाड जिले में 62 प्रतिशत वन क्षेत्र समाप्त हो गया था।

वायनाड की ढीली मिट्टी, पेड़ों की कटाई एवं जलवायु बदलाव से कम समय में आयी तेज बारिश से चौरल पर्वत पर तीन बार भूस्खलन हुआ जिससे चोलियार नदी के जलागम क्षेत्र (केचमेंट एरिया) में बसे चार गांव मलबे में दब गए। केरल विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2018 से राज्य में तेज बारिश से भूस्खलन के क्षेत्र 3.46 प्रतिशत बढ़े हैं। केन्द्र के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार पिछले सात वर्षों में आए 3782 भूस्खलन में 59.2 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन की शोधकर्ता मरियम जकारिया का कहना है कि जलवायु बदलाव के कारण वायनाड में वर्षा का पैटर्न बदलने से भूस्खलन का खतरा बढ़ा है। भारतीय ऊष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्था, पुणे के जलवायु विशेषज्ञ आरएम कौल का कहना है कि केरल का आधा हिस्सा पहाडियों तथा पर्वत क्षेत्र से घिरा है, जहां ढलान 20 डिग्री से ज्यादा है जिससे भारी बारिश में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। वायनाड त्रासदी जलवायु बदलाव से पैदा बारिश के पैटर्न में परिवर्तन के साथ-साथ समय-समय पर वैज्ञानिकों की चेतावनी एवं विशेषज्ञ समितियों की रिपोर्ट नहीं मानने का एक सामूहिक मिला-जुला परिणाम है। केदारनाथ, चमोली, जोशीमठ एवं सिक्किम आदि त्रासदियों के पीछे भी यही कारण है।

वर्ष 1976 की मिश्रा समिति की रिपोर्ट से लेकर 2012 तक जोशीमठ पर पांच वैज्ञानिक रिपोर्टें आयी थीं जिनमें धंसाव के कारण एवं बचाव के उपाय बताए गए थे, परंतु किसी पर भी ध्यान नहीं दिया गया। जलवायु बदलाव के वर्तमान समय में इस प्रकार की त्रासदियों से बचने के लिए जरूरी है- केन्द्र व राज्य सरकारें विषय विशेषज्ञों की सलाहों को महत्व दें। सामान्यतः सरकारें इनसे इसलिए कतराती हैं कि वे कई बार सरकार की नीतियों के विरोध में होते हैं। आमतौर पर सत्ता तंत्र हमेशा विशेषज्ञों से बेरुखी रखकर अपने सेवानिवृत्त या कार्यरत अधिकारियों, ठेकेदारों एवं भवन निर्माताओं की सलाहों को ज्यादा महत्व देता है। विशेषज्ञों को महत्व देकर कुछ कार्य पिछली सरकारों ने किए थे जो निश्चय ही प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय हैं।

दृष्टि कोण

# अहिंसक विश्व समाज कैसे बने?

**मनुष्य** एक सामाजिक प्राणी है। विकसित बुद्धि, भाषा के विकास, सीधे खड़े होने की सामथ्य और उंगलियों की विशिष्ट बनावट के चलते ही मनुष्य अन्य पशु समुदाय से अधिक विकसित हो सका है। अन्यथा बहुत सी पशु वृत्तियां मनुष्य में भी विद्यमान हैं। हर मनुष्य और मनुष्य समाज सुख-शांति से रहना चाहता है। तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं पैदा करने के बावजूद पशु वृत्तियों के चलते हिंसक और लालची व्यवहार के कारण मनुष्य एक-दूसरे को कष्ट पहुंचा कर दुखी करता आया है। इसी के कारण स्वयं भी दुखी होता आया है। शायद इसी पशुवृत्ति जनित दुःख निवारण के लिए धर्मों का आविष्कार मनुष्य समाज ने किया होगा, जिसमें कुछ आत्म नियमन के द्वारा पशु वृत्तियों के दमन की अपेक्षा करके समाज को सुखी बनाने की चेष्टा की गई है। किन्तु पशु वृत्तियां धर्मों पर भी हावी हो गईं। धीरे धीरे यह विचार आने लगे कि मेरा ही धर्म श्रेष्ठ है। इसलिए दूसरे के धर्म को निकृष्ट बता कर उसे समाप्त या नियंत्रित करने के प्रयास शुरू हो गए। इससे एक नए प्रकार की भयानक हिंसा का जन्म हो गया। 'चले थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास' कहावत को चरितार्थ करते हुए सुख और शांति की दिशा में बढने के नाम पर बड़ी हिंसा का शिकार हो गए। कबीलाई समाज के समय जब मनुष्य समाज उतना विकसित नहीं था, तब हिंसा छोटे स्तर पर छोटी छोटी बातों पर होती थी। खाना तलाशने, शिकार के इलाके पर आधिपत्य जमाने के लिए एक कबीला दूसरे से टकरा जाता था। जैसे जैसे मनुष्य विकसित होता गया, वैसे वैसे उसकी आवश्यकताएं बढ़ती गईं। फिर टकराव के मौके भी बढ़ते गए। टकराव के शस्त्रास्त्र भी बढ़ते गए। यानी सुख-शांति से जीने के हालात कम होते चले गए। पहले लाठी डंडों से झगड़े निपट जाते थे, फिर भाले, तीर, तलवारों की नौबत आ गई, और अब महा विनाशक अणु बमों के खतरे में जीने को अभिशप्त हैं। दर्द बढ़ता ही गया, ज्यों ज्यों दवा की, यह कहावत चरितार्थ होने लगी। अनेक धर्मों, पंथों ने साधना और धार्मिक नियमन से व्यक्तिगत तौर पर अहिंसक व्यवहार में पारंगत महा मानवों को पैदा किया। किन्तु सामूहिक स्तर पर अहिंसा का प्रयोग बहुत नगण्य ही रहा, जिसमें शायद महात्मा गांधी एक अपवाद हैं जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसा को एक उपकरण की तरह उपयोग करने का साहस किया। बड़े पैमाने पर सफलता भी हासिल की। किन्तु उसमें भी बहुत से लोग इस उपकरण को मान्यता देने में संकोच करते हैं और इस बहस में फंसे रहते हैं कि आजादी अहिंसक आंदोलन से मिली या क्रांतिकारी आंदोलन और नेता जी सुभाष चंद्र बोस के सैनिक प्रयास से। हालांकि यहां मकसद यह तय करना नहीं है कि किसके प्रयास से आजादी मिली, सबके ही प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं, किन्तु मूल प्रश्न है कि अहिंसा के उपकरण को व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़ कर सामूहिक स्तर तक उपयोगी कैसे बनाया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय मामलों को सुलझाने के लिए युद्धों के अलावा अहिंसक उपाय किए जा सकें और सुख-शांतिपूर्ण जीवन संभव हो सके। इस दिशा में यह भी देखा जाना चाहिए कि देशों में युद्धों के मुख्य कारण क्या रहे हैं। इतिहास के अध्ययन से हमें ज्ञात होता है कि बहुत से संघर्ष आर्थिक प्रभुत्व के लिए हुए हैं या फिर अपनी धार्मिक विचारधाराओं के जबरदस्ती प्रचार की भूख के कारण हुए हैं। कोई यह बोले कि मेरे रास्ते से स्वर्ग या जन्नत मिलना तय है, तो भाई आप स्वर्ग या जन्नत के मजे लूट लो, दूसरे को क्यों परेशान करते हो कि आप भी मेरे रास्ते चलो। जिस धर्म का उद्भव या विकास मानव समाज को सुखी करने के लिए हुआ था, उसी के कारण दुनिया में कितना हिंसक वातावरण बना है, और सब तरफ दुःख ही फैलने का कारण बन गया है। इस तरह के हालात में अहिंसक शक्ति को कैसे सर्वोपरि बनाया जा सकता है, वरना हिंसा और प्रति हिंसा के दुश्चक्र में धर्म तो गायब ही हो जाता है। जो मनुष्य समाज दूसरे को दुखी करेगा, वह स्वयं भी दुखी होगा ही, क्योंकि हर क्रिया की प्रतिक्रिया तो प्रकृति का नियम ही है।

कुछ अलग

# झूठ ही परम सत्य है...

**नेताजी** अपने मित्रों की कैबिनेट में बता रहे थे कि घोर कलियुग चल रहा है और इस कलियुग में झूठ ही परम सत्य है। बाकी सब मिथ्या है। सौ बार बोला गया झूठ अंततः सच में तब्दील हो जाता है। यही झूठ की सबसे बड़ी ताकत है। नेताजी बता रहे थे कि झूठ बोलने से सत्ता मिलती है और सत्ता मिलने पर कुर्सी मिलती है। कुर्सी में बड़ी ताकत होती है और यह ताकत झूठ की आत्मा से निकल कर आती है। इसलिए झूठ को परम सत्य माना जाना चाहिए। यह हमारा सिद्धांत होना चाहिए और इस सिद्धांत पर मरते दम तक अमल भी होना चाहिए। नेताजी उपदेशक की मुद्रा में बता रहे थे कि यह जग झूठा है। मरते समय कोई किसी के साथ नहीं जाता। नोटों से भरे ब्रीफकेस अलमारियों में ही रह जाते हैं। अवैध कब्जे धरती पर ही रह जाते हैं। धोखाधड़ी और हेराफेरी से जो माल इक_ा किया होता है, वह सब यहीं रह जाता है। पत्नी की आंखों में धूल झोंक कर जो प्रेमिकाएं दाएं-बाएं बनाई होती हैं, वे भी हमारी आत्मा के साथ स्वर्ग या नरक नहीं जाती, बल्कि धरती पर रह जाती हैं और फिर अन्य पुण्य आत्माओं की प्रेमिकाएं बन जाती हैं। इसलिए झूठ को आंच नहीं आने देनी चाहिए। सत्य को तो कभी भी पराजित किया जा सकता है। सत्य बोलने वालों के हजारों दुश्मन हो जाते हैं। लेकिन झूठ बोलने वालों के करोड़ों फॉलोअर होते हैं। जो जितना झूठा, उतना ही महान। महानता आसानी से हासिल नहीं होती। लगातार पब्लिक के बीच झूठ बोलना पड़ता है। झूठी गारंटियां देनी होती हैं। झूठे वादे करने होते हैं। झूठे आश्वासन देने होते हैं। बार-बार झूठ को दोहराना पड़ता है। फिर पब्लिक फिदा हो जाती है। पब्लिक अपनी खुशी फिर हम पर वोट कुर्बान करके जाहिर करती है। हमारे गले में नोटों की माला भी पहनाती है। हमें वोट और नोट दोनों मिलते हैं। झूठ का पूरा डंका बजता है। सत्य को कोई नहीं पूछता। झूठ वाले का राजनीति में पूरा जलवा रहता है। राजनीति में जिसका जलवा और बोलबाला है, वही जनप्रिय नेता कहलाता है। वह हारने के बाद भी जीतता है। वह यह साबित कर देता है कि झूठ को बार-बार पराजित नहीं किया जा सकता। झूठ तो जीतेगा ही और जीत के बाद ओहदा भी पाएगा। नेताजी मित्रों की बैठक में धाराप्रवाह बता रहे होते हैं और मित्र उनकी हर बात पर ताली बजाकर अपनी सहमति जताते हैं। यह मित्र नेताजी के उन दिनों के सखा हैं, जब नेताजी ने नया-नया झूठ बोलना सीखा होता था और फिर लगातार झूठ बोलने में वह एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित करते चले गए थे। नेताजी बता रहे थे कि हमने लाखों युवाओं को रोजगार नहीं दिया। फिर भी हमें सत्ता मिल गई। यह सब झूठ का जलवा है। हमने महिलाओं को भी सब्जबाग दिखाए। महिलाएं हमारे झांसे में आ गईं। यह भी झूठ का सबसे बड़ा जलवा है। इसके लिए प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं है। इसलिए मित्रो अपने-अपने हलके में जाकर झूठी घोषणाएं करते रहो। इससे पब्लिक का उत्साहवर्धन होता है। पब्लिक को पता चलता रहता है कि हमारे द्वारा चुने गए प्रतिनिधि निठल्ले नहीं बैठे, बल्कि लगातार हमारे हित में कुछ न कुछ करते जा रहे हैं। इससे हमें कर्मठ और गतिशील होने का तमगा मिलेगा। गति झूठ बोलने से ही आती है। जिसने जिंदगी में झूठ नहीं बोला, उसकी मरकर भी गति नहीं होती। स्वर्ग और नरक कहीं पर भी एंट्री नहीं मिलती। ऐसा नेताजी अपने मित्रों को समझा रहे हैं। नेताजी की बैठक जारी है और झूठ को लेकर व्याख्यान भी चला हुआ है।

देश दुनीया से

# अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

**बंकिम** चंद्र की शस्य-श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति-पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया। बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है। इसलिए बंगाल इन दिनों बहुत उबाल पर है। बंगाल का बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संदेशखाली से महिलाओं के बलात्कार की खबरें आई थीं। वहां की घटनाओं की परतें खुलने पर पता चला कि बलात्कार की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा थीं। संदेशखाली की पीड़िताओं की खबरें भले ही उबाल ला पाईं, लेकिन आरजी कर अस्पताल की घटना ने कहीं अधिक ध्यान खींचा। इसका कारण यह हो सकता है कि संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों से थीं, जबकि आरजी कर की घटना कोलकाता शहर में हुई, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ है। 34 वर्षों के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़े झुंड उभरे। पश्चिम बंगाल के वासी इस संस्थागत व्यवस्था से इतने परेशान हो गए कि उन्हें ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि ममता एक नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ करेंगी। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी दिशा में चल पड़ीं, जिस दिशा में वामपंथी कैडर चलते थे। प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि बलात्कार और हत्या पंद्रह अगस्त की रात दो से ढाई बजे के बीच हो चुकी थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को फटकार भी लगाई। ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और हत्या के विरोध में धरना दिया गया। यह धरना ऐसा था, जो सरकार के खिलाफ सरकार द्वारा ही दिया गया था। ऐसा किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक नहीं देखा गया है। ममता ने प्रशासन में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था को अपना लिया। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस की लाचारगी आरजी कर बलात्कार में भी नजर आई। बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि 'बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में अन्य राज्यों की होती है।' इस उम्मीद को कायम रखते हुए भद्रलोक समाज को चाहिए कि वह इस दिशा में भी सोचे।

शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं।

आप का नजरीया

# तनख्वाह की गोटियां

**सवाल** तनख्वाह से शुरू होकर इसी पर खत्म हो रहा है। जिस तनख्वाह में ओपीएस जोडक़र कांग्रेस सरकार बनी, उसी की बदौलत मंत्री और सीपीएस को दो महीने का वेतन विलंबित लेना पड़ रहा है, लेकिन तस्वीर यहां मुकम्मल नहीं होती। तनख्वाह तुरंत न लेने का फैसला सांकेतिक तौर पर बता रहा है कि खजाने ने बोझ उठाना मना कर दिया या यह कि अब सरकार अपने चरित्र से अपव्ययता के निशान हटा देगी। कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री के आईटी सलाहकार एवं कैबिनेट रैंक प्राप्त गोकुल बुटेल ने अपनी तनख्वाह की 'गोटी' छोड़ दी। इस तरह वह सरकारी खजाने के सामने 'व्हिसिल ब्लोअर' की तरह प्रकाश में आ गए। मसला तनख्वाह छुड़वाने का ही होता तो कई उपाय हो सकते हैं, लेकिन यहां फिजूलखर्चियों के दामन में आग लगी है और झुलसने की ताकीद में लक्षण उभर रहे हैं। एक ओर केंद्र से असहयोग की परिपाटी में तू तू-मैं मैं से घिसटती आर्थिकी और ऊपर से गुरबत में गुलकंद बांटने की प्रथा ने हिमाचल में केंचुली फंसा दी है। तीन दिन पहले देश के प्रधानमंत्री स्मार्ट सिटी के बाद 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने के लिए 28602 करोड़ का ऐलान करते हुए हिमाचल को धत्ता बताते हैं। हमारे पड़ोस और पर्वतीय प्रदेश उत्तराखंड तथा पंजाब को इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी मिल रहे हैं, लेकिन केंद्र में चारों सांसद भेजने वाले हिमाचल को ऐसी बहार नहीं मिली। कहना न होगा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर हिमाचल को औद्योगिक क्षेत्र में चलना सिखाया था, लेकिन मोदी सरकार अब घुटनों पर ला रही है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस से एक सांसद छीन कर भाजपा ले गई और चुनावी पलकों से भी कांग्रेस की हिम्मत छीन ली, फिर भी कसूरवार हिमाचल को बनाया जा रहा है। पर्वतीय अस्मिता के भूगोल में फंसा अर्थशास्त्र अपनी जान कैसे बचाएगा। ऐसे में अनुराग ठाकुर से पूछें या जगत प्रकाश नड्डा के प्रकाश में चंद किरणें वसूलें, लेकिन हकीकत यह है कि हिमाचल की केंद्र में वकालत रुक गई है या शिमला में सरकार की मशीनरी हिल गई है। बहरहाल सियासत के दोनों पाट दोषी हैं या सारा डिस्कोर्स ही बदले ले रहा है। विधानसभा की कार्यवाहियों में होते संग्राम और शिमला से दरकिनार होती प्रदेश की आवाज को आखिर सुनेगा कौन। इसीलिए आज तक न शासन, न प्रशासन, और न ही आर्थिक व्यवस्था के आदर्श बने। हमें मंडी में मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए कार्यालय चाहिए, तो नए विकास की कहानी पर चप्पा चप्पा चल रहे देहरा को सत्ता की निशानी चाहिए। सूखे होंगे बरगद के पेड़ जहां खजाना रखा था, हमने तो बाढ़ में डूबकर प्यास बुझानी सीख ली। हिमाचल में सियासी प्यास और सत्ता के पियाऊ जहां तहां दिखाई देते हैं, वहां हर सरकार के जुर्म में आर्थिक हंडियों ने इज्जत गंवाई है। एक कमजोर-आर्थिक संसाधनविहीन राज्य की मिलकीयत में आर्थिक खुशहाली छीनते वर्गों के बीच असहाय निजी क्षेत्र, वहां उपलब्ध नौकरियां और बेरोजगार होते युवाओं के लिए क्या मंत्री व सीपीएस की घोषणाएं कभी बोलती हैं या कुछ सोचकर तौलती हैं।

# इतिहास में प्रताप का अपमान, अकबर को बताया गया महान : मदन दिलावर

## अगर किसी पाठ्य पुस्तक में प्रताप से बड़ा अकबर को बताया गया तो उसे किताब से हटा देंगे

**उदयपुर ( हिंस )।** राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्य को नमन करते हुए कहा है कि अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना और अकबर को महान बताना बेमानी है। इतिहास में महाराणा प्रताप की जगह अकबर को महान बताया गया, यह मेवाड़ का अपमान है। महाराणा प्रताप हमारे संरक्षक थे, जिन्होंने झुकना कभी स्वीकार नहीं किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि थे। इस दौरान पत्रकारों से संक्षिप्त वार्ता में उन्होंने कहा कि हमने सभी कक्षाओं की किताबें देख ली हैं। अभी तक किताबों में ऐसा नहीं है। यदि होगा तो सब किताबें पाठ्यक्रम से निकाल देंगे। उन्होंने कहा कि जिस मुगल शासक अकबर ने बड़ी संख्या में हत्याएं करवा दी थी। उस अकबर को इतिहासकार महान बताते रहे। जिन्होंने अकबर को महान पढ़ाया, उससे बड़ा दुश्मन इस मेवाड़ में और राजस्थान में नहीं हो सकता। वे शपथ लेकर कहते हैं कि राजस्थान की किसी किताब में कभी भी अकबर जैसे लुटेरे, आक्रमणकारी, बलात्कारी को सम्मान नहीं दिया जाएगा। वह महाराणा प्रताप से बड़ा कैसे हो सकता है वह तो लुटेरा और आक्रांता था। प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर उन्होंने परिणाम का इंतजार करने की बात कही। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला कभी साधारण नहीं हो सकता। शिक्षा के लिए दान देने वाले सभी भामाशाह देवतुल्य हैं, जो बच्चों की पढ़ाई में आने वाली पीड़ा को समझते हुए उनके लिए सुविधाएं जुटाने सहयोग करते हैं। पहली बार राजधानी जयपुर से बाहर उदयपुर में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय समारोह में शिक्षा मंत्री ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने वर्ष 1995 में भामाशाहों के सम्मान की परिपाटी

शुरू की, जो आज भी जारी है। इसके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं। इस वर्ष प्रदेश के विद्यालयों के लिए 140 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का सहयोग भामाशाहों के माध्यम से प्राप्त हुआ। उक्त राशि से विद्यालय में भौतिक सुविधाओं के साथ ही स्मार्ट क्लासेज, संसाधन आदि की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने दान का महत्व बताते हुए कहा कि जिस तरह कुएं से सिंचाई के लिए पानी निकालने पर कुछ ही घंटो में कुआं वापस भर जाता है, इसी प्रकार धन को सद्कर्म में लगाने से दुगुने लाभ की प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में शैक्षणिक उन्नयन के लिए अहर्निश प्रयासरत है। शिक्षा मंत्री होने के नाते वे विश्वास दिलाते हैं कि भामाशाहों के द्वारा दान की गई राशि के एक-एक पैसे का सदुपयोग होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने की। राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, गोगुन्दा विधायक प्रताप गमेती, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, जिला प्रमुख ममता पंवार, महापौर जीएस टांक, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक संस्कृत शिक्षा पूनम सहित अन्य जनप्रतिनिधि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

## प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मजबूत कदम : दीया कुमारी

**जयपुर ( हिंस )।** उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने बताया कि 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रुपए के स्थान पर 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मजबूत कदम है। दीया कुमारी ने बताया कि दिव्यांग महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान तथा संतान के जन्म के पश्चात ात अधिक पौष्टिक आहार मिल सके इस हेतु उक्त राशि में बढ़ोतरी कर उसे 10 हजार रुपए किया गया है। इसके साथ ही मां और बच्चें का बेहतर स्वास्थ्य हो तथा टीकाकरण सुनिश्चिात त हो सके इस हेतु उक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह 3500 रुपए की अतिरिक्त राशि 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रुपए को 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार कर दिया है। बुनकर ने बताया कि योजना के अनुसार प्रथम किश्त का भुगतान आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकरण एवं कम से कम एक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पूर्व में तीन हजार रुपए दिए जाते थे। जिसे बढ़ाकर चार हजार रुपए कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर पूर्व में मिलने वाले 1500 रुपए की द्वितीय किश्त को बढ़ाकर तीन हजार रुपए कर दिया गया है। बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के संपूर्ण टीकाकरण पर चौदह सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किश्त दो हजार रुपए को बढ़ाकर तीन हजार रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बड़ी हुई राशि 3500 रुपए ऐसी महिलाएं को देय है जो आआंशिक रूप से (40 प्रतिशत) अथवा पूरी तरह से अक्षम है। उन्हें डीबीटी के माध्यम से उक्त राशि दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने यह भी बताया कि 1 सितम्बर से प्रदेश में *राष्ट्रीय पोषण माह 2024* का आयोजन किया गया है।

## भाजपा के पास प्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए नहीं है उम्मीदवार : अभय चौटाला

**फतेहाबाद ( हिंस )।** इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि चुनाव प्रचार को लेकर दोनों ही पार्टियां इनेलो व बसपा गठबंधन पूरी तरीके से एक्टिव मोड में हैं, जबकि भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूचि सामने आने के बाद इन दोनों पार्टियों में भगदड़ मचना तय है। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री औमप्रकाश चौटाला के दोहते कुणाल कर्ण सिंह के निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला जोकि टोहाना से हैं और टोहाना में भाजपा के पास चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार तक नहीं है। यही हालत मौजूदा समय में पूरे प्रदेश में भाजपा की बनी हुई है। अभय चौटाला ने कहा कि प्रदेश की जनता इस बार कांग्रेस और भाजपा के जाल में फंसने वाली नहीं है। हरियाणा में इनेलो और बसपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही इनेलो और बसपा बैठक कर सीटों का आवंटन पर निर्णय कर लेंगे और जल्द ही गठबंधन के उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इनेलो और बसपा दोनों पार्टियों का तालमेल इतना है कि यदि बसपा ने इनेलो से ऐलनाबाद सीट भी मांगी तो भी वह देने से पीछे नहीं हटेंगे। अभय चौटाला ने कहा कि विधानसभा चुनावों को लेकर इनेलो-बसपा गठबंधन पूरी तरह तैयार है। गठबंधन द्वारा जल्द ही प्रदेशभर में बड़ी रैलियां की जाएंगी। इनमें चार ज्यादा बड़ी रैलियां हरियाणा के चार कोनों में होंगी जिनमें बसपा सुप्रीमो मायावती भी शिरकत करेंगी। यह रैलियां पलवल, सिरसा, जींद और अंबाला में होंगी। अभय सिंह चौटाला ने दावा किया कि हरियाणा में इनेलो और बसपा की सरकार बनने जा रही है। सरकार बनने पर प्रदेश में बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा नि:शुल्क की जाएगी। बिजली नि:शुल्क करने के लिए हर घर में नि-शुल्क सोलर प्लांट लगवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद पेंशन 7500 की जाएगी, प्रदेश में गुंडाराज समाप्त किया जाएगा, कर्मचारी, मजदूर, किसान और आम आदमी को आगे बढ़ने का काम किया जाएगा।

## भारत को नंबर वन बनाने के लिए भाजपा चाहती है सत्ता : बिपल्व देव

**जींद ( हिंस )।** त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के चुनाव सह प्रभारी और सांसद बिपल्व देव ने कहा कि पड़ोसी राज्य पंजाब में इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री हैं। जब पड़ोसी देश बंगलादेश में हिंदुओं पर आक्रमण होता है, 13 साल की बेटी को जला देते हैं तो पंजाब के मुख्यमंत्री बोलते हैं कि भारत में भी ऐसा ही करना चाहिए। वो पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। आज हरियाणवाासियों को तय करना होगा कि उन्हें सत्ता किस लिए चाहिए। क्या सत्ता पाकिस्तान को सौंपने के लिए चाहिए या फिर भारत को टुकड़े होने से बचाना है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बैनर्जी की सरकार है। वहां एक महिला चिकित्सक को बलात्कार कर मार दिया लेकिन इसके बारे में केजरीवाल, अखिलेश यादव कुछ नहीं बोलते हैं। क्यों वो बेटी नहीं है। यह सब

लोग बस सत्ता चाहते हैं, केवल और केवल लोगों का शोषण करने के लिए। भाजपा सत्ता इसीलिए चाहती है कि भारत को नंबर वन बनाना है। यह लोग लोस में संविधान की बात करते हैं लेकिन संविधान को बचाने का काम भाजपा ने किया है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, चुनाव सह प्रभारी और सांसद विपल्व देव रविवार को एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जन आशीर्वाद रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मुंह में संविधान शोभा नहीं देता है। जिनके पिता ने तीन तलाक बोल कर महिला को घर से निकाला लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने तीन तलाक को खत्म करने काम किया और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया। संविधान को सबसे ज्यादा कांग्रेस ने ही तोड़ा है लेकिन अब समय आ गया है कि सब लोग नायब सिंह सैनी बन कर हरियाणा में तीसरी बार नायब सिंह सरकार बनाएं।

## हालात भांप कर जींद बीजेपी रैली में नहीं आए अमित शाह : बृजेंद्र सिंह

**जींद ( हिंस )।** रविवार को उचाना के रजबाहा रोड पर कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक प्रेमलता सिंह व पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह इसमें शामिल हुए। बीरेंद्र सिंह भीड़ से ही एक कार्यकर्ता को अपने साथ आगे लाए और उसी के हाथ रिबन कटवाया। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने चुनाव की डेट बदलने पर कहा कि भाजपा सरकार जो चाहती थी, वो ही चुनाव आयोग ने मान लिया। उन्होंने दावा किया कि इससे कोई अंतर पड़ने वाला है नहीं। जो स्थिति बन चुकी है, वो कांग्रेस के पक्ष में और अच्छी होगी। भाजपा द्वारा कांग्रेस से अधिक नौकरी देने के सीएम के बयान पर बृजेंद्र सिंह ने कहा कि ये सारी फिजूल की बकवास है। नौकरियों को कच्चे पर लेकर आए गए। हमारी फौज को भी कच्चे की नौकरी बनाकर छोड़ दिया है। कांग्रेस को भर्ती रोको गैंग बताने के सीएम नायब सिंह सैनी के बयान पर पूर्व सांसद ने कहा कि वे सीएम हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि जब आचार संहिता लग जाती है तो उसके बाद किसी तरह की नियुक्ति नहीं हो सकती। ये घोषणाएं कर रहे हैं, लोगों में जो गुस्सा है, उसको किसी तरह से कम करने का प्रयास मात्र है।

## अस्पतालों में नि:शुल्क दवाओं की उपलब्धता करने के निर्देश

**जयपुर ( हिंस )।** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर प्रदेशभर में मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के तहत दवाओं की सुचारू आपूर्ति एवं उपलब्धता सुनिश्चिात त की जा रही है। अस्पतालों में सुचारू दवा आपूर्ति के लिए राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन एवं सभी चिकित्सा संस्थान प्रभारियों को समुचित कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के तहत दवा आपूर्ति की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। हमारा प्रयास है कि सभी चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चिात त हो। आरएमएससीएल को निर्देश दिए गए हैं कि सभी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रहे। इस संबंध में स्टॉक संबंधी गाइडलाइन की समुचित पालना सुनिश्चिात त की जाए। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि अस्पताल में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों द्वारा रोगियों के उपचार के अनुसार कुछ दवाएं अधिक स्ट्रेंथ की लिखी जाती हैं और कभी-कभी दवा वितरण केंद्रों पर कम स्ट्रेंथ की दवा उपलब्ध होती है। जैसे 40 मिलीग्राम स्ट्रेंथ के स्थान पर 10 मिलीग्राम स्ट्रेंथ की दवा उपलब्ध होना। इससे उपचार में किसी तरह की परेशानी नहीं आती। उन्होंने बताया कि एजिथ्रोमाइसिन दवा सभी वितरण केंद्रों पर उपलब्ध है। एट्रोवेस्टेटिन दवा 40 मिलीग्राम के स्थान पर 10 मिलीग्राम तथा थायरॉक्सिन सोडियम दवा भी 100 मिलीग्राम के स्थान पर 50 मिलीग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसी प्रकार सोडियम वेलप्रोएट दवा 500 मिलीग्राम के स्थान पर 200 मिलीग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। प्रीगेबलीन कैप्सूल भी सभी दवा केंद्रों पर उपलब्ध है।

## जेजेपी को नहीं मिल रहे 90 सीटों पर उम्मीदवार : बीरेंद्र

**जींद ( हिंस )।** उचाना कलां पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह ने कहा कि सारे नेताओं को उचाना दिखता है। ये चुनाव हरियाणा, उचाना की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण चुनाव है। जिनको सीएम बनने का चस्का है वह भी कहते है कि उचाना से चुनाव लड़ेंगे। उचाना में बीरेंद्र सिंह को कैसे कमजोर करें यह सब की रणनीति है। मेरी सबसे बड़ी ताकत उचाना हलका है जो मेरा परिवार है। हर वर्ग के लोगों ने मेरी मदद 1977 से लेकर अब तक राजनीति में मदद की है। अब तक छह चुनाव जीते है बेशक कांग्रेस, तिवारी कांग्रेस, भाजपा से चुनाव लड़ा हो सभी वर्ग के लोगों ने साथ दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब चुनाव ऐसा बना दो जिसमें बृजेंद्र सिंह की एक तरफा जीत हो।

## लव जिहाद : बुर्का पहनकर कोर्ट पहुंची युवती ने मोहम्मद मुस्लिम से की शादी, मचा हंगामा

**जौनपुर ( हिंस )।** हिंदुत्व को लेकर योगी सरकार द्वारा लगातार बयानबाजी और हिंदुओं को जगाने के लिए किए जा रहे तमाम हिंदू संगठनों के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। मुस्लिम लड़के हिंदू लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसा कर उनसे बराबर शादी कर रहे हैं। वहीं हिंदू लड़कियां भी इनमें कहीं पीछे नहीं है। उन्हें भी अपने धर्म समाज का जरा भी डर नहीं है और न परिवार की परवाह है। ताजा मामला शनिवार को दीवानी न्यायालय में उस समय हंगामा मच गया जब खुटहन थाना क्षेत्र निवासी एक युवती मांग में सिंदूर लगाकर बुर्का पहनकर एक युवक मोहम्मद मुस्लिम के साथ शादी करने दीवानी न्यायालय पहुंची। जब अधिवक्ताओं को पता चला कि युवती हिंदू है तो हंगामा खड़ा कर दिया। मामला लव जिहाद का था। युवक मोहम्मद मुस्लिम ने बताया कि दोनों ने नोटरी हलफनामा से विवाह किया है। अधिवक्ताओं व अन्य लोगों द्वारा किए जा रहे हंगामे को देखते हुए पुलिसकर्मी युवक और युवती को लाइन बाजार थाने ले गए। देखने में युवती नाबालिग लग रही थी। अधिवक्ताओ ने युवती से कहा कि तुम मांग में सिंदूर लगाई हो तो बुर्का पहन कर यहां शादी करने क्यों आई थी। उससे यह भी पूछा गया कि कहीं तुमने धर्म परिवर्तन तो नहीं किया है। तो उसने कहा कि नहीं धर्म परिवर्तन नहीं की हूं। अधिवक्ताओं ने

दोनों को घेर कर पूछताछ करना चालू किया। हंगामा बढ़ते देख पुलिस दोनों को थाने ले गई। इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि खुटहन थाने में मोहम्मद मुस्लिम निवासी गांव सुल्तानपुर अशरफगढ़ के खिलाफ 29 अगस्त को लड़की के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया था। शनिवार को दोनों न्यायालय में शादी करने की कोशिश में थे कि उससे पहले ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया है। आगे विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी मुस्लिम के खिलाफ पीड़िता के पिता ने खुटहन थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराया है। उधर आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस खोज रही थी। इधर वह दीवानी न्यायालय में आकर पीड़िता से शादी कर रहा था।

## राज्यपाल बागड़े ने महा रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया

**जयपुर ( हिंस )।** राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को अखिल भारतीय गौ शाला सहयोग परिषद द्वारा गौ ऋषि प्रकाशदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित महा रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने वहां रक्तदान करने वाले दानदाताओं से संवाद करते हुए उनका अभिनंदन किया और प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने इस दौरान कहा कि रक्तदान महादान है। यह जीवनदान हैं। यह करके आप कहीं भी किसी की जान बचा सकते हैं। बागड़े ने कहा कि मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान अमूल्य है। इसके लिए निरंतर जागरूकता की जाए और अधिकाधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाए। राज्यपाल बागड़े ने गौ ऋषि प्रकाशदास महाराज की प्रेरणा से आयोजित रक्तदान शिविर को महत्वपूर्ण बताया।

## ग्रामसभाओं के जरिए होगी धर्मांतरितों की डी-लिस्टिंग : सांसद रावत

**उदयपुर ( हिंस )।** धर्मांतरित हुए परिवारों को जनजाति आरक्षण का लाभ लेने से वंचित करने के लिए अब ग्राम सभाओं में इस संबंध में प्रस्ताव पारित कराए जाएंगे। उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत की पहल पर इस योजना पर काम शुरू हो गया है। सांसद डॉ. रावत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखे पत्र में कहा है कि प्रदेश में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाए। उसके एजेंडे में विशिष्ट संस्कृति छोड़ कर ईसाई व इस्लाम धर्म अपनाने वाले परिवारों का सांस्कृतिक सर्वे कराने का प्रस्ताव लिया जाए। सर्वे के बाद ग्राम सभाओं में ही धर्मांतरित परिवारों को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने संबंधी प्रस्ताव पारित कराए जाएंगे। पूर्व में मध्यप्रदेश राज्य की कई ग्राम सभाओं में इस तरह के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। सांसद रावत ने बताया कि अनुसूचित जनजातियों की पहचान के लिए पांच मानक स्थापित किए गए हैं जिनमें आदिम लक्षण, विशिष्ट संस्कृति, भौगोलिक अलगाव, बड़े पैमाने पर समुदाय में संकोच व पिछड़ापन शामिल हैं। इनके आधार पर राज्य में अनुसूचित जनजातियों की मान्यता है। संविधान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उक्त पांच मानकों में से यदि कोई सदस्य किसी भी एक मानक से बाहर हो तो उनके लिए यह प्रावधान

है कि वह अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से बाहर हो जाएगा। धर्मांतरित सदस्य को अनुसूचित जनजाति का लाभ देय नहीं होगा।

## धर्म परिवर्तन को ले बजरंग दल का हंगामा, पुलिस ने किया हस्तक्षेप

**नवादा ( हिंस )।** नवादा में एकबार फिर बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है, जिसके बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर बवाल मचाया और विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद पकरीबरा इलाके में ईसा मसीह के नाम पर कराया गया प्रार्थना सभा को बंद कराया गया। ये पूरा मामला नवादा के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के कचना मोड़ के पास की है, जहां धर्म परिवर्तन कराए जाने की सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। बताया जा रहा है कि मौके पर सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष यीशु की प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे। वहां मौजूद लोगों की माने तो वे ईसाई मिशनरी का प्रचार-प्रसार कर रहे है। स्थानीय लोगों की माने तो ये

लोग लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन करा रहे है। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस कुछ लोगों को अपने साथ थाने ले गई है और प्रार्थना सभा को बंद करा दिया है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि यहां धर्मांतरण कराया जा रहा है। धर्म परिवर्तन करने के लिए गरीबों को लालच दिया जा रहा है और उनका ब्रेनवॉश किया जा रहा है। बीमारी ठीक करने का बहाना बनाकर लोगों को बुलाया जाता है और फिर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इस बीच बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और ईसाई मिशनरी के लोगों के बीच जमकर बहस भी हुई।

## विश्व हिंदू परिषद के 60 वें स्थापना दिवस पर निकली सनातन सद्भाव रैली

**सहरसा ( हिंस )।** विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूरा होने के शुभ अवसर पर रविवार को नगर के पॉलिटेक्निक ढाला हनुमान मंदिर से जिलाध्यक्ष पम्पल सिंह के अध्यक्षता में सनातन सदभाव यात्रा निकाली गई। यह यात्रा पंचवटी चौक, थाना चौक, शंकर चौक, महावीर चौक होते हुए कहरा कुटी मंदिर प्रांगण में जा कर समाप्त हुआ। यात्रा की समाप्ति संत और विद्वानों के उद्वोधन धर्मसभा के साथ हुआ । इस कार्यक्रम में धर्म रथ के साथ सैंकड़ों कार्यकर्ता जय श्री राम के नारों के साथ सभा स्थल तक पहुंचे। आज जय श्री राम के नारों से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। उद्वोधन में प्रान्त विधि प्रमुख शारदा कांत झा ने कहा की देश और समाज की रक्षा के लिए युवाओं में शौर्य का जागरण करना होगा। हमे शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह के तेज से सीखना होगा।

## 65 प्रतिशत आरक्षण के दायरे को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर राजद का धरना-प्रदर्शन

**गोपालगंज ( हिंस )।** पूरे देश में जातीय जनगणना कराने तथा 65 प्रतिशत आरक्षण के दायरे को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जिला राजद के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जिला मुख्यालय के आंबेडकर चौक पर जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में एकदिवसीय धरना दिया। धरना को संबोधित करते हुए राजद के जिलाध्यक्ष ने भाजपा और नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार आरएसएस की गोद में खेल रहे हैं और उसी के इशारे पर आरक्षण को समाप्त करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जातीय जनगणना के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया गया था परंतु राज्य सरकार के नकारात्मक रवैया और न्यायालय में सही तरीके से अपना पक्ष नहीं रखने के कारण कोर्ट ने इस पर रोक लगा दिया था। यदि इसे संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कर लिया गया होता तो न्यायिक प्रक्रिया पर स्वत: रोक लग जाती। धरना

को संबोधित करते हुए राजद के हथुआ विधायक राजेश सिंह कुशवाहा, पूर्व प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता व प्रदेश महासचिव अब्दुल सत्तार मुन्ना ने कहा कि भाजपा शुरू से ही जातीय जनगणना के खिलाफ रही है। तेजस्वी यादव के प्रयास से बिहार में जातीय जनगणना को अंजाम तक पहुंचाया गया। अब इस जनगणना को पूरे देश में कराये बिना पिछड़े समाज को उसका हक और अधिकार नहीं मिल सकता। धरना समाप्ति के बाद राजद के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा जिसमे पूरे देश में जातिय जनगणना कराने तथा 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की नौंवी अनुसूची में डालने की मांग की गई है। धरना का संचालन राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने किया।

# एटीएफ 4,567.76 रुपये प्रति किलो लीटर तक सस्ता, नई दरें लागू

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 4,495.50 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की संभावना है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 4,495.50 रुपये घटकर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर से 93,480.22 रुपए किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 4,217.56 रुपये घटकर 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर से 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। वहीं, चेन्नई में एटीएफ 4,567.76 रुपये सस्ता होकर 97,064.32 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है।

इसके अलावा कोलकाता में एटीएफ 4,222.44 रुपये कम होकर 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर से 96,298.44 रुपये किलोलीटर हो गया है। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन में हवाई ईंधन के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की उम्मीद है। एटीएफ की दरों का सीधा असर विमान किराये पर दिखता।

## कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस की कीमत 39 रुपये बढ़कर अब 1691.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गयी है, जो पहले 1652.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसका दाम बढ़ कर 1802.50 रुपये हो गया है, जो पहले 1764.50 रुपये था। इसी तरह मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत बढ़ कर 1605 रुपये से 1644 रुपये हो गयी है। इसके अलावा चेन्नई में ये सिलेंडर 1855 रुपये का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा, निकासी मानदंड सख्त किए

**नई दिल्ली।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा और निकासी के मानदंडों में कई बदलाव किए। संशोधित नियमों के तहत स्टॉक के लिए मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्ल्यूपीएल) को 500 करोड़ से तीन गुना बढ़ाकर 1,500 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई तक राज्यों को 3.66 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकारों को उनके करों के हिस्से के रूप में 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार ने जुलाई तक कुल 13,00,351 करोड़ खर्च किए हैं, जो बजट अनुमान का 27 फीसदी है।

### हीरो मोटो कॉर्प ने संजय भान को बनाया कार्यकारी उपाध्यक्ष

**नई दिल्ली।** दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने वैश्विक कारोबार मामलों के अपने मुख्य व्यापार अधिकारी संजय भान को पदोन्नत कर कार्यकारी उपाध्यक्ष बनाया है। उनकी नियुक्ति एक सितंबर से प्रभाव में आ गई है। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को बताया कि भान अपनी नई भूमिका में हाल में स्थापित ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के साथ-साथ वैश्विक उत्पाद योजना (जीपीपी) पोर्टफोलियो का भी नेतृत्व करेंगे। भान ग्लोबल बिजनेस और जीपीपी के सीईओ को रिपोर्ट करना जारी रखेंगे। इसके अतिरिक्त वह ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के प्रमुख के रूप में सीधे कार्यकारी चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही खेल इकाई का भी नेतृत्व करेंगे। कंपनी के बयान के अनुसार भान 1991 में कंपनी में शामिल हुए और इस अवधि के दौरान कई दोपहिया मॉडल को पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### पाकिस्तान में पेट्रोल 2 रुपए, डीजल 3 रुपए हुआ सस्ता

**इस्लामाबाद।** कंगाली के जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है। इसी बीच वहां के आवाम के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पाकिस्तान सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की है। वित्त मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 1.86 रुपए व हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में 3.32 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। सरकार की ओर फ्यूल प्राइस में कटौती के बाद हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 266 रुपए 07 पैसे हो गई है। वहीं पेट्रोल की कीमत पहले 260 रुपए 96 पैसे थी, जो अब 259 रुपए 10 पैसे हो गई है। यदि किसी के पास पेट्रोल और डीजल दोनों तरह के वाहन हैं तो उन्हें 5 रुपए कम देने होंगे। सितंबर के पहली तारीख मिले इस तोहफे से आम आदमी को बड़ी राहत मिली है।

### भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं

# बीते सप्ताह आठ शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 1.53 लाख करोड़ बढ़ा

**नई दिल्ली।**
**बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी के साथ देश की 10 शीर्ष कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,53,019.32 करोड़ रुपये बढ़ गया। भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं।**

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,194.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,587.12 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 33,611.37 करोड़ रुपये बढ़कर 8,06,880.50 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 31,784.9 करोड़ रुपये बढ़कर 16,46,899.17 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,734.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,66,374.41 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,396.42 करोड़ रुपये बढ़कर 20,43,107.10 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का एमकैप 5,600.24 करोड़ रुपये बढ़कर 12,44,206.43 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का मूल्यांकन 2,340.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,73,390.88 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 356.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,935.97 करोड़ रुपये पहुंच गया।

हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,411.54 करोड़ रुपये घटकर 6,52,739.95 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 4,776.48 करोड़ रुपये घटकर 6,27,587.76 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

## एफपीआई ने शेयर बाजारों में अगस्त में 7,320 करोड़ का निवेश किया

**निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है**

**नई दिल्ली।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में घरेलू शेयर बाजार में केवल 7,320 करोड़ रुपये का निवेश किया। शेयरों के उच्च मूल्यांकन और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के बाद येन कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश के समाप्त होने के बीच उन्होंने सतर्क रुख अपनाया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है। बाजार के जानकारों ने कहा कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि बने रहने की संभावना है। हालांकि पूंजी प्रवाह को घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतक, वैश्विक ब्याज दर की स्थिति, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और बॉन्ड बाजार के आकर्षण से दिशा मिलने की उम्मीद है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अगस्त में भारतीय इक्विटी में 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले दो महीनों की तुलना में एफपीआई की रुचि कम होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2024-25 की अनुमानित कमाई से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार कर रहा है। इसके साथ, भारत अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं और इसीलिए, उनकी प्राथमिकता भारत के अलावा अन्य बाजार हैं। इसके अलावा, 24 अगस्त को येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से एफपीआई व्यवहार पर काफी असर पड़ा, जिससे घरेलू इक्विटी में भारी बिकवाली हुई। दिलचस्प बात यह है कि एफपीआई शेयर बाजार बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जहां मूल्यांकन अधिक माना जाता है। वे अपने निवेश को प्राथमिक बाजार में लगा रहे हैं, जहां अपेक्षाकृत मूल्यांकन कम है। इस बीच एफपीआई ने अगस्त में बॉन्ड बाजार में 17,960 करोड़ रुपये का निवेश किया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल किये जाने, आकर्षक ब्याज दर, स्थिर आर्थिक वृद्धि और अनुकूल दीर्घकालिक दृष्टिकोण एफपीआई को बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रेरित करने वाले प्रमुख कारक रहे हैं।

## ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

**नई दिल्ली।** ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बंद कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गई। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुर्माना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया। मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है, तो उस पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने का आदेश है।

### एनबीसीसी ने 1:2 बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी

**नई दिल्ली।** सरकारी कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने पात्र शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी है। इस उद्देश्य के लिए कंपनी 90 करोड़ रुपये के फ्री रिजर्व का उपयोग करेगी। कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने और रिकॉर्ड तारीख तय करने की मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कंपनी के शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है, यानी रिकॉर्ड तिथि के अनुसार पात्र सदस्यों को हर दो मौजूदा शेयरों के लिए एक नया पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयर, जिसकी कीमत 1 रुपये होगी, जारी किया जाएगा।

## गूगल ओआरजी ने एआई संचालित जलवायु समाधान करने चार भारतीय संगठनों को चुना

**नई दिल्ली।** एपीएसी सस्टेनेबिलिटी सीड फंड 2.0 के तहत अनुदान के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में चार भारत-आधारित संगठनों को 14 अन्य प्राप्तकर्ताओं के बीच चुना गया है। इसे प्रौद्योगिकी दिग्गज की परोपकारी शाखा गूगल.ओआरजी से 50 लाख डॉलर के अनुदान से समर्थित किया गया है। एशियन वेंचर फिलैंथ्रोपी नेटवर्क (एवीपीएन) द्वारा प्रबंधित इस कोष का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी और एआई-संचालित समाधानों को बढ़ावा देना है। गूगल ओआरजी ने एक बयान में कहा कि भारतीय प्राप्तकर्ताओं में आईएनआरईएम फाउंडेशन, सीईपीटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (सीआरडीएफ), इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड रिसर्च (वेल लैब्स) और गुजरात महिला हाउसिंग सेवा ट्रस्ट (एमएचटी) शामिल हैं। आईएनआरईएम फाउंडेशन जल प्रदूषण डेटा तक सामुदायिक पहुंच के लिए एआई-सक्षम

ओपन डिजिटल समाधान विकसित करेगा। सीआरडीएफ झीलों और उनके कार्बन सिंक फंक्शन की सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करने की योजना बना रहा है। बयान में कहा गया है कि वेल लैब्स गांव-स्तर की जल सुरक्षा अंतर्दृष्टि के लिए उन्नत मॉडल विकसित करेगा, जबकि एमएचटी शहरी ताप द्वीपों की पहचान करने और समुदाय-केंद्रित समाधान सुझाने के लिए एआई-संचालित मॉडल बनाएगा।

# वैश्विक रुख और पीएमआई जैसे आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

**डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे**

**नई दिल्ली।** इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहत आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह बता कही है। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा प्रभावित करेंगे।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक सितंबर के मध्य में होनी है लेकिन उससे पहले बाजार की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों पर होगी। विनिर्माण पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े इस सप्ताह जारी होने हैं। ये सभी उल्लेखनीय रूप से बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत पूंजी प्रवाह भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। घरेलू बाजार में तेजी के पीछे प्राथमिक कारण अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की बढ़ती उम्मीद और घरेलू निवेशकों की लिवाली है। वाहन बिक्री आंकड़ों की घोषणा के बीच इन कंपनियों के शेयरों पर नजर होगी। उन्होंने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि शेयर केंद्रित कदम के साथ बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहेगा। सप्ताह के दौरान जारी होने वाले वैश्विक वृहत आर्थिक आंकड़ों से घरेलू बाजार को संकेत मिलना जारी रहेगा।

एक वरिष्ठ बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि व्यापक स्तर पर खरीद समर्थन से मानक सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले सप्ताह जैक्सन होल बैठक में मिले संकेत के बाद अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद ने निवेशकों को अधिक आश्वस्त किया है। हालांकि, सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। इसका कारण, बाजार पिछले 12 कारोबारी सत्रों से चढ़ रहा है।

# बीते सप्ताह मंडियों में तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के खाने के तेलों के आयात शुल्क बढ़ने की संभावना के कारण किसानों के मंडियों में आवक घटाने के बीच बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम में सुधार देखने को मिला तथा सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव मजबूत बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये बढ़कर 6,275-6,315 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 400 रुपये बढ़कर 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 55-55 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 1,985-2,085 रुपये और 1,985-2,100 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का

भाव क्रमशः 170-170 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,670-4,700 रुपये प्रति क्विंटल और 4,480-4,605 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 125 रुपये, 125 रुपये और 50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,575 रुपये, 10,175 रुपये तथा 8,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की मजबूती के साथ 6,550-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 15,525 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 325 रुपये की मजबूती के साथ 9,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 10,525 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बिनौला तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## एफएंडओ में स्टॉक्स के प्रवेश के लिए नए नियम लागू

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में एफएंडओ (फ्यूचर्स और ऑप्शंस) सेगमेंट में स्टॉक्स के प्रवेश के लिए नए नियम लागू कर दिए गए हैं। जिसके मुताबिक अब किसी भी स्टॉक को एफएंडओ सेगमेंट में शामिल करने से पहले उसे कैश मार्केट में लगातार 6 महीने तक एक निश्चित मानदंड को पूरा करना होगा। इसके अलावा एफएंडओ सेगमेंट में शामिल स्टॉक्स के लिए कुछ नियम भी सख्त कर दिए गए हैं। मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। यानी कि अब स्टॉक्स के प्राइस मूवमेंट को प्रभावित करने के लिए न्यूनतम राशि को बढ़ा दिया गया है। इससे यह होगा कि पैसों का गलत इस्तेमाल करके स्टॉक की कीमतों में बहुत तेज बदलाव नहीं किया जा सकेगा। मार्केट वाइड पोजीशन लिमिट को 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा एवरेज डेली डिलीवरी वैल्यू को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। अगर कोई स्टॉक लगातार 3 महीने तक इन मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो उसे एफएंडओ सेगमेंट से बाहर कर दिया जाएगा। बाहर किए गए स्टॉक्स को अगले एक साल तक एफएंडओ सेगमेंट में फिर से शामिल नहीं किया जाएगा। ये नए नियम तुरंत लागू हो गए हैं। हालांकि मौजूदा स्टॉक्स को इन नियमों के अनुसार ढलने के लिए 6 महीने का समय दिया गया है।

# पेरिस पैरालंपिक : क्वार्टर फाइनल में हारीं मनदीप कौर और पलक कोहली

**पेरिस।** भारत के लिए पेरिस पैरालंपिक 2024 में रविवार चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। भारतीय पैरा शटलर मनदीप कौर एवं पलक कोहली अपना-अपना क्वार्टर फाइनल मैच हार गई हैं। इसकी के साथ दोनों खिलाड़ियों का पेरिस पैरालंपिक में सफर समाप्त हो गया है।

रविवार को मनदीप कौर महिला एकल एसएल3 वर्ग के क्वार्टरफाइनल मैच में नाइजीरिया की खिलाड़ी मरियम बोलाजी से हार गई। मैच में मनदीप शुरुआत से लय में नहीं दिखीं। नाइजीरिया की मरियम बोलाजी ने आसानी से पहला गेम 21-8 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी मनदीप वापसी नहीं कर सकीं और नाइजीरियाई खिलाड़ी ने यह गेम भी 21-9 से जीत लिया। इस तरह नाइजीरियाई खिलाड़ी ने मनदीप को 21-8, 21-9 से सीधे सेटों में आसानी से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

मनदीप के बाद पैरा शटलर पलक कोहली भी महिला एकल एसएल4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में हार गईं। उन्हें इंडोनेशिया की एथलीट सदियाह खलीमातुस ने 21-19, 21-15 के सीधे सेटों में हरा दिया है।

इस साल भारत ने पैरालिंपिक में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। भारत अब तक पेरिस पैरालंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल पांच पदक अपने नाम कर चुका है।

### अब अहमद शहजाद ने पीसीबी को सुनाई खरी-खरी

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निंदा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन्हीं निंदक की सूची में अहमद शहजाद का भी नाम जुड़ गया है। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट से नाम वापस लेने वाले शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर घेरा और उनका खिलाड़ियों के प्रति रवैया नौकरों की तरह बताया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही। बांग्लदेश से उन्हें पहले टेस्ट में घरेलू मैदान पर ही हार झेलनी पड़ी। अब जब पीसीबी घरेलू ढांचे में बदलाव करने की सोच रहा है, तब शाहजाद ने सामने आ रहे रुझानों पर अपना विरोध जाहिर किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### एशियाई मुक्केबाजी संघ के साथ ही 21 देशों ने आईबीए का समर्थन किया, वर्ल्ड बॉक्सिंग को 14 देशों से ही मिला समर्थन

**दुबई।** एशियाई मुक्केबाजी संघ ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान किया है। इस गुप्त मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में मतदान किया। एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) के वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में शामिल होने से इनकार करने के इस फैसले से लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने में मुश्किलें आयेंगी। भारत के अलावा बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल ने मतदान में भाग लिया। भारत ने इसमें पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। आईबीए के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद को देखते हुए ही आईओसी ने पेरिस ओलंपिक की क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी। मतदान के बाद आईबीए ने वर्ल्ड बॉक्सिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई संस्था के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए साधन नहीं हैं। आईबीए ने अपने एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए किसी तरह का वित्त, विशेषज्ञता और समर्थन नहीं है। उनका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का भी कोई इरादा नहीं है।

### प्रिटोरियस ने सीपीएल में अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर वॉरियर्स को जीत दिलायी

**जमैका।** गयाना अमेजन वॉरियर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल)। के दूसरे रोमांचक मुकाबले में एंटीगा एंड बरबुडा फाल्कंस को हरा दिया। इस मैच में ड्वेन प्रिटोरियस ने अंतिम ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी कर गयाना को जीत दिलायी। प्रिटोरियस ने फाल्कंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के एक ही ओवर में 18 रन बना दिये। वॉरियर्स को अंतिम ओवर में 16 रन की जरुर थी। ऐसे में प्रिटोरियस ने अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में फखर जमां और इमाद वसीम के 40-40 रनों से फाल्कंस टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 168 रन बनाए।

### हांगकांग के आयुष ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4 ओवर मेडन फेंककर नया विश्व रिकार्ड बनाया

**मुम्बई।** हांगकांग की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के आयुष शुक्ला ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार ओवर फेंककर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। आयुष ने ये उपलब्धि मंगोलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 के लिए हुए क्वालीफायर मैच में हासिल की। आयुष को इन चार ओवरों में एक विकेट भी मिला।आयुष पहले एशियाई गेंदबाज हैं जो सभी ओवर मैडन डालने में सफल रहे हैं। इससे पहले ये कारनामा कनाडा के साद बिन जफर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फग्र्यूसन ने भी किया था। आयुष ने मंगोलिया के खिलाफ हुए मुकाबले में अपने चार ओवर में यालाजट नामसाराय को पेवेलियन भेजा। उनकी गेंदों का मंगोलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। आयुष का जन्म मुंबई में हुआ था पर बाद में उनका परिवार हांगकांग चला गया था। 21 साल की उम्र में वह हांगकांग टीम से खेलने लगे थ। आयुष के नाम 34 मैचों में 29 विकेट का रिकार्ड है। इस क्रिकेटर ने इससे पहले कंबोडिया के खिलाफ साल 2023 में 3 ओवर में 3 रन देकर एक विकेट लिया था ।

# भारत की रूबिना फ्रांसिस को मिला कांस्य

**शेटराउ।** भारतीय निशानेबाजों का पेरिस पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन जारी है। अब महिला निशानेबाज रूबिना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता है। रूबिना को ये पदक कुल 211.1 अंक हासिल करने के साथ ही महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में मिला है। इस भारतीय निशानेबाज ने क्वालीफिकेशन दौर में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी। पेरिस पैरालंपिक में इस प्रकार भारत ने निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर 5वां पदक जीता है। वहीं इससे पहले अब तक इन खेलों में एक स्वर्ण शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक के साथ ही हासिल किया था जबकि मोना अग्रवाल ने तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता। इसके अलावा मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता था।

## 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित में भारत को हाथ लगी निराशा, फाइनल में नहीं पहुंच पाए अवनि और सिद्धार्थ

**पेरिस।** भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा पैरालंपिक खेलों की मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में रविवार को यहां 11वें जबकि सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए।

अवनि 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के अपने प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाई और अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। सिद्धार्थ ने 628.3 का स्कोर किया। अवनि के छह सीरीज में अंकों का क्रम 105.7, 106.0, 104.1, 106.0, 104.8, 106.2, जबकि सिद्धार्थ का स्कोर 104.6, 103.8, 105.7, 104.9, 103.6, 105.7 रहा।

अवनि ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वह लगातार दो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ अपने खिताब का बचाव किया था। एसएच1 में खिलाड़ी बिना किसी मुश्किल के बंदूक पकड़ सकते हैं तथा खड़े होकर या बैठकर निशाना लगा सकते हैं। अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। उन्होंने फाइनल में 249.7 के रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीत हासिल की, जबकि हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता था। आत्मविश्वास से भरी अवनि लेखरा ने शुक्रवार को पैरालंपिक में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की अपनी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए कहा कि इसने भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए बैरियर तोड़ दिया है।

जब पत्रकारों ने अवनि से पूछा कि दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनकर उन्हें कैसा महसूस हो रहा है तो उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था। मैं बस दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में सोच रही थी। मुझे खुशी है कि मैं अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। इसने देश की अन्य महिलाओं के लिए 'बैरियर' तोड़ दिया। वे अब सोच सकती हैं कि 'भारत में महिलायें भी स्वर्ण जीत सकती हैं'। मैं आभारी हूं कि मैं ऐसा करने वाली पहली महिला हूं।

अवनि ने कहा कि उन्होंने अपना ध्यान पहले ही अगली स्पर्धा (महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एस1 और मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1) पर केंद्रित कर लिया है। उनके लिए इस साल की शुरुआत में एक सर्जरी की चुनौती से पार पाना चुनौतीपूर्ण रहा। अवनि ने पित्ताशय की सर्जरी के बारे में बात करते हुए कहा, मार्च में मेरी सर्जरी हुई थी और मैं रेंज से बाहर थी, मैं अभ्यास नहीं कर रही थी। मानसिक रूप से इसने मुझे परेशान किया क्योंकि मैं पैरालंपिक से कुछ महीने पहले ट्रेनिंग नहीं ले रही थी। अभी मुझे और स्पर्धायें खेलनी हैं और मैं सभी में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं, देखते हैं क्या होता है।

# इंडिया अंडर-19 टीम में चयन से उत्साहत है द्रविड़ के बेटे समित

**बेंगलुरु।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अंडर 19 टीम में चयनित होने के बाद से ही उत्साहित हैं।समित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर और चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए चुनी गई टीम में शामिल किया गया है। वह इस समय बेंगलुरु में खेली जा रही महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूरु वॉरियर्स की टीम से खेल रहे हैं।

समित अंडर 19 टीम में जगह मिलने से बेहद खुश हैं। 18 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रशंसकों का भी समर्थन के लिए आभार जताया है। साथ ही कहा कि उसने इस दिन के लिए काफी मेहनत की है.समित द्रविड़ ने कहा, मुझे अपने अंडर 19 टीम में चुने जाने पर काफी खुशी है। आप सभी को मेरे टीम में जगह बनाने पर दी गई शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैंने इस पल के लिए काफी समय से कड़ी मेहनत की थी।

### कड़ी मेहनत का फल मिला

### इंदौर के सोहम को भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान बने, कैलाश विजयवर्गीय ने दी बधाई

**इन्दौर।** अंडर- 19 क्रिकेट टीम की आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के टेस्ट और वनडे टीमों की घोषणा कर दी गई है जिसमें इंदौर के सोहम पटवर्धन को चार दिवसीय टेस्ट सीरीज के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। तथा वनडे सीरीज के लिए मोहम्मद अमान को कप्तान बनाया गया है। अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम उसके खिलाफ भारतीय वनडे और चार दिवसीय मैच खेलेगी। अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के धनी सोहम पटवर्धन बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। वहीं गेंदबाजी दोनों हाथ से करते हैं। सोहम दाएं हाथ से आफ स्पिन और बाएं हाथ से ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी करते हैं। सोहम के पिता निखिल पटवर्धन भी पूर्व रणजी क्रिकेटर हैं। परिजनों के अनुसार सोहम के दादा भी क्रिकेटर थे। सोहम ने कूच बिहार ट्रॉफी सहित कई टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

# दूसरे टेस्ट में भी पाकिस्तान के बल्लेबाजी विफल रहे , पहली पारी में बनाये 274

**रावलपिंडी।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम मेहमान टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पायी और पहली पारी में केवल 274 रन ही बना पायी। इसके बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 10 रन बना लिए थे। वहीं पहले दिन बारिश कारण खेल नहीं हो पाया था। बांग्लादेश की ओर से स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने 61 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया। टेस्ट मैचों में मेहदी ने 10वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भी 57 रन पर तीन विकेट लिए।

बांग्लादेश की टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इससे उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अगर वह ये मैच जीतती है तो उसे पहली बार पाक में इतनी बड़ी सफलता मिलेगी। उसके हालांकि मुशफिकुर रहीम के चोटिल होने से नुकसान होगा।

# रूट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

**लॉर्ड्स।** इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही रूट के नाम अब 34 शतक हो गये हैं और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

इससे पहले ये रिकार्ड एलिस्टर कुक के नाम था। कुक के नाम 33 शतक हैं। अब रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 103 रन बना दिये। वहीं पहली पारी में रूट ने 143 रन बनाये थे।

रूट की 103 रन की पारी से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 251 रन बनाए। इससे इंग्लैंड ने श्रीलंका को जीत के लिए 483 रन का लक्ष्य दिया। रूट अब लॉर्ड्स के मैदान में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक मैदान पर उन्होंने सातवां शतक लगाया है। इस प्रकार उन्होंने इस मैदान पर छह शतक लगाने वाले अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन और ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है।

रूट ने 145वें मैच में करियर का 34वां शतक लगाया जबकि कुक ने अपने 33 शतक के लिए 161 टेस्ट खेले थे। रूट ने इसके अलावा इंग्लैंड की ओर से 50 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस साल वह अभी तक सबसे ज्याद चार शतक बनाने में सफल रहे हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक 200 कैच पकड़े हैं। इस प्रकार वह 200 कैच के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले भारत के राहुल द्रविड़ के नाम 210 कैच जबकि श्रीलंका के महेला जयवर्धने के नाम 205 कैच हैं।

# हॉकी इंडिया बेरोजगार खिलाड़ियों को देगा 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता

**लखनऊ।** हॉकी इंडिया की रविवार को लखनऊ में हुई वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में करियर बनाने में आर्थिक मदद के लिए भारतीय पुरुष और महिला कोर संभावित समूह के उन सदस्यों को 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया है, जिन्हें अभी तक सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) में नौकरी नहीं मिली है।

बैठक के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि अधिकांश हॉकी खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर पीएसयू और सरकारी विभागों से नौकरी दिए जाने की परंपरा रही है लेकिन हमारे ध्यान में लाया गया है कि सीनियर कोर ग्रुप में शामिल कुछ नए खिलाड़ी, खास तौर पर महिला खिलाड़ी बेरोजगार हैं।

एजीएम में ऐसे हॉकी खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता देने के लिए हर साल 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है, ताकि उन्हें या उनके परिवारों को गुजारा करने के लिए संघर्ष न करना पड़े।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने बताया कि वार्षिक आम बैठक में राष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हमने आगामी हॉकी इंडिया लीग पर भी चर्चा की और हम आने वाले हफ्तों में कुछ रोमांचक घोषणाएं करेंगे।

हॉकी इंडिया की वार्षिक आम बैठक पहली बार लखनऊ में आयोजित की गई। इससे एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी इंडिया की 31 राज्य सदस्य इकाइयों और हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों के प्रतिनिधियों की लखनऊ में अपने आवास पर चाय पर मेजबानी की, जिसमें अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन शामिल हुए थे।

इस बैठक में उत्तर प्रदेश में हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई, जो राज्य में खेल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## झपकी से बढ़ती है याददाश्त

दिन में थोड़ी सी झपकी लेने से याददाश्त बढ़ती है। इस अध्ययन के लिए दो समूहों में लोगों को बांटकर कुछ को सार्थक और कुछ को निरर्थक शब्द याद करने के लिए कहा। इसके बाद एक समूह को कुछ देर झपकी लेने कहा जबकि दूसरे समूह को टीवी पर अपनी पसंद का कार्यक्रम देखने के लिए कहा। जिस वर्ग ने झपकी ली थी, वह कठिन शब्दों को याद रखने में कामयाब रहा, जबकि दूसरा वर्ग कम शब्दों को याद रख पाया।

## शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा।धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

## रीढ़ की हड्डी की चोट से मस्तिष्क को खतरा

रीढ़ की हड्डी में आई चोट प्रगतिशील मस्तिष्क को विकृत कर सकती है। यह बात एक नई रिसर्च में सामने आई है। एससीआई संज्ञात्मक समस्याओं और अवसाद के साथ व्यापक और निरंतर मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकतीं हैं, जिससे तंत्रिका कोशिकाओं की प्रगति बाधित होती है। पृथक एससीआई से प्रमुख मस्तिष्क क्षेत्रों में मस्तिष्क कोशिकाओं की प्रगति में नुकसान हो सकता है।

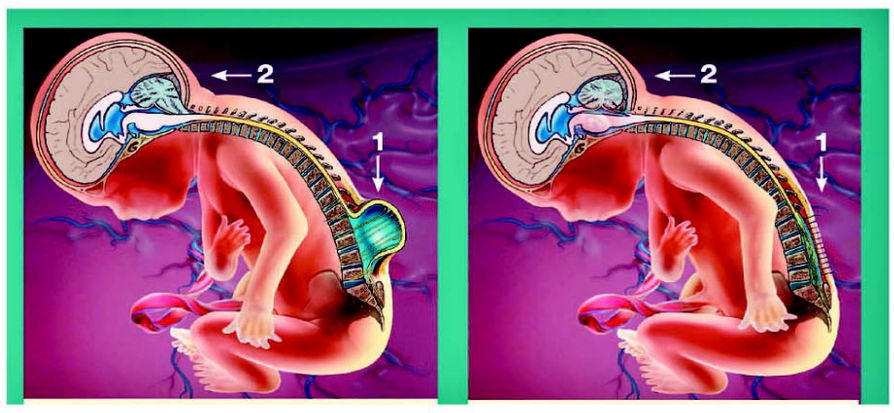


# जन्मदोष बीमारी है स्पाइना बिफिडा

**स्पाइना** बिफिडा जन्मदोष है जो तंत्रीकीय नाल की विकृति है। इसमें रीढ़ की हड्डी या मेरु रज्जु में एक दरार युक्त घेरा बना होता है। स्पाइना बिफिडा भ्रूण न्यूरल ट्यूब के अधूरे समापन के कारण होता है। स्पाइना बिफिडा शब्द लैटिन शब्द स्पाइना से बना है जिसका मतलब स्पाइन या रीढ़ होता है। इसी तरह बिफिडा का मतलब दरार होता है। इस लेख में हम लोग स्पाइना बिफिडा के कारण, लक्षण और इसके उपचार के बारे में जानेंगे।

### क्या है स्पाइना बिफिडा?

गर्भाधारण के पहले महीने में भ्रूण प्राथमिक ऊतक में बदलना शुरू होता है जिसे न्यूरल ट्यूब कहते हैं। फिर इसमें नर्व, ऊतक और हड्डियां बनने लगती हैं जो नर्वस सिस्टम और स्पाइन में बदलती है। यहीं से स्पाइना बिफिडा की समस्या शुरू होती है अगर ट्यूब अधूरा बंद होता है जिससे स्पाइन में किसी तरह की दरार बन जाती है।

### स्पाइना बिफिडा से जुड़े तथ्य

- स्पाइना बिफिडा स्पाइनल कॉलम से जुड़ा जन्मदोष है। माइलोमेनिंगोसील एक गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है।
- 1,000 में से एक बच्चा माइलोमेनिंगोसील स्पाइना बिफिडा के साथ पैदा होता है।
- स्पाइना बिफाडा में, स्पाइनल कॉलम संक्रमत होने के लिए काफी असंवेदनशील माना जाता है क्योंकि ये खुला होता है।
- मरीज बहुत ही ज्यादा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड पैदा करते हैं जिससे हाइसिफेलस बन जाता है।
- हाइसिफेलस से ये और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।
- स्पाइना बिफिडा के सही कारण का अब तक पता नहीं चला है।
- डायबिटिज से पीड़ित महिलाओं को स्पाइना बिफिडा ग्रस्त बच्चे पैदा होने के ज्यादा चांस होते हैं।
- इसमें दरार वाली जगह के नीचे की पेशियां कमजोर हो जाती हैं या उसके नीचे के हिस्से में लकवा मार जाता है। कई मामलों में मल-मूत्र विसर्जन पर नियंत्रण नहीं रह जाता।

### तीन तरह का है स्पाइना बिफिडा

**स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा–** रीढ़ की हड्डियों को नुकसान पहुंचा बिना उसमें एक छेद होता है।

**मेनिंगोसील–** रीढ़ की हड्डी में एक छेद होता है जिससे मेरुरज्जु की सुरक्षा कवच में दबाव के कारण वो थैली के रूप में बाहर बनकर आ जाती है। इसे मेनिंगोसील कहते हैं। इसमें मेरुरज्जु सुरिक्षत रहती है और नर्वस सिस्टम को मामूली क्षति पहुंचाकर या बिना कोई क्षति पहुंचाए इसकी मरम्मत की जा सकती है।

**माइलोमेनिंगोसील–** यह गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है। इसमें मेरुरज्जु का एक हिस्सा पीठ की तरफ़ से बाहर निकल कर आ जाता है। कुछ मामलों में ये स्पाइना बिफिडा पुटिका त्वचा से ढंकी रहती है, तो कुछ में ऊतक और तंत्रिकाएं अनावृत हो जाती हैं।

### लक्षण

- स्पाइना बिफिडा के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्बर करते हैं।
- स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा में किसी भी तरह के लक्षण देखने को नहीं मिलते।
- कई मामलों में हल्का सा दोष मेरुरज्जु में देखने को मिलता है जैसे बालों का उगना, डिम्पल या उस स्थान पर हल्का सा फैट जमना।

### क्या हैं उपचार

- स्पाइना बिफिडा से पीड़ित बच्चा किसी भी परिवार में पैदा हो सकता है।
- गर्भावस्था में औरतों को चीजों का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। चीजें गर्भ को काफी प्रभावित करती हैं।
- गर्भावस्था के पहले और शुरुआती समय में फ़ॉलिक एसिड के सेवन करने से गर्भास्थ शिशु के स्पाइना बिफ़िडा और दूसरे तंत्रिका नाल विकारों से ग्रस्त होने की संभावना कम होती है।

# आखिर क्यों होता है हाथी पांव ?

**दुनिया** में अजीब-अजीब तरह की बीमारियां है जिसके बारे में सोच कर ही इंसान की रुहें कांप जाती हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि जब ये किसी को हो तो उसकी क्या हालत होगी? इन्हीं अजीब बीमारियों की गिनती में सबसे पहले फाइलेरिया की गिनती होती है जिसे आम भाषा में हाथी का पांव भी कहा जाता है। दरअसल इसमें इंसान के शरीर का कोई भाग हाथी या हाथी के पांव की तरह मोटा होने लगता है। इस लेख में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानें।

### क्या है फाइलेरिया या हाथी पांव

फाइलेरिया या फाइलेरियासिस परजीवी के कारण होने वाला रोग है। ये परजीवी धागे के समान दिखता है जिसे फाइलेरिओडी (Filarioidea) कहते हैं। यह एक तरह का संक्रामक उष्णकटिबन्धीय रोग है मतलब ये गर्म प्रदेशों में अधिक होता है। इसलिए यह बीमारी पूर्वी भारत, मालाबार और महाराष्ट्र के पूर्वी इलाकों में बहुत अधिक फैली हुई है।

### क्यूलैक्स मच्छर इसका कारक

- सामान्य तौर पर क्यूलैक्स मच्छर को इस बीमारी का कारक माना जाता है।
- यह कृमिवाली बीमारी है जिसमें कृमि शरीर के लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और इन नलियों को बंद कर देते हैं।
- इसके संक्रमण से लसीका अपना कार्य करना बंद कर देते हैं।
- ये कृमि बहुत छोटे आकार के होते हैं जो क्यूलैक्स मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश करते हैं।
- यह व्यस्क कृमि में लाखों की संख्या में छोटी-छोटी कृमि पैदा करने की क्षमता होती है।
- बीमार इंसान से मच्छर खून चूसकर इस कृमि को दूसरे स्वस्थ मनुष्य तक पहुंचाते हैं।

### इस बीमारी होने का पूरा चक्र

क्यूलैक्स मच्छर मलखाने, नालियों और गड्ढों के गंदे पानी में पनपते हैं। इस मच्छर को इसके पीठ के कूबड़ और इसकी विशेष गूंज द्वारा इसे पहचाना जा सकता है। पानी में टेढ़े होकर इस मच्छर के लार्वे तैरते हैं। जब क्यूलैक्स मच्छर किसी इंसान को काटता है तो फाइलेरिया के छोटे कृमि उस इंसान के अंदर पहुँच जाते हैं। इंसान की लसिका तंत्र में ये छोटे कृमि कुछ ही दिनों में बड़े होकर पुरुष और मादा जीवों में बदल जाते हैं और लसिका नलियों को संक्रमित कर देते हैं जिससे लसिका तंत्र बंद हो जाता है। शरीर के अंदर एक वयस्क कृमि लसिका वाहिकाओं में समागम करके खूब सारे सूक्ष्म फाइलेरिया बनाता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया का जीवन 2 से 3 साल तक होता है और वयस्क कृमि लगभग बारह साल तक इंसान के शरीर में रहते हैं।

ये सूक्ष्म फाइलेरिया शरीर के अंदर खून में घूमते हैं। ये कृमि विशेष तौर पर रात में खून में घूमते हैं। क्यूलैक्स मच्छर जब अस्वस्थ इंसान का खून चूसता है तो वह उसके दूषित खून के द्वारा इन सूक्ष्म फाइलेरिया को अपने अंदर ले लेता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया 10 से 15 दिनों के अंदर संक्रमण पैदा करने वाले लार्वा के रुप में विकसित होते हैं। जिसके बाद ये मच्छर बीमारी पैदा कर पाने में समर्थ हो जाते हैं और दूसरे स्वस्थ वाला होता है। इस तरह यह चक्र चलता रहता है।

### फाइलेरिया के लिए घरेलू उपाय

फाइलेरिया के घरेलू उपचार के लिए काले अखरोट का तेल रामबाण है। फाइलेरिया ग्रस्त इंसान को गर्म पानी में काले अखरोट के तेल की तीन से चार बूंद डालकर पीना चाहिए। इस मिश्रण को दिन में सुबह-शाम दो बार पिएं। अखरोट के अंदर मौजूद गुण फाइलेरिया के कृमि को मारने में सक्षण हैं। जल्दी से जल्दी राहत पाने के लिए छह हफ्तों तक ये मिश्रण पिएं।

### लक्षण

फाइलेरिया रोग में इंसान के शरीर का कोई भाग बहुत अधिक फूलने लगता है। अकसर ये हाथ या पैरो में ही होता है लेकिन कई बार ये स्तनों और गुदा के हिस्से में भी होता है। इसके लक्षण निम्न हैं–

- शरीर के संक्रमित होने के कुछ सालों बाद इसके लक्षण दिखते हैं।
- इसमें गुप्तांग एवं जांघों के बीच गिल्टी हो जाती है जो बहुत अधिक फूल जाती है और इसमें काफी दर्द रहता है।
- एक या दोनों हाथ व पैरों में बहुत अधिक सूजन होना। लेकिन ये अधिकतर पैरों में ही होता है जिस कारण इसे हाथी पांव कहते है।
- गले में बहुत अधिक सूजन आ जाती है।
- पैरों व हाथों की लसिका वाहिकाएं लाल हो जाती हैं जिससे पैरों में लाल धारियां पड़ जाती है।
- पुरूषों के अंडकोष संक्रमित होकर फूल जाते हैं।
- शरीर में कंपकपी आना और बुखार होना।

### हाथी पांव का इलाज

- इस बीमारी का इलाज इसके प्रारंभिक चरण में ही शुरू कर देना चाहिए।
- फाइलेरिया फैले हुए क्षेत्र में जाने से बचें। अगर उस क्षेत्र में आप रहते हैं तो मच्छरों से दूर रहने के पूरे उपाय करें और शरीर को ढकने वाले पूरे कपड़े पहनें।
- अपने क्षेत्र में मच्छरों को मारने के लिए छिड़काव करें।
- क्यूलैक्स मच्छर सुबह और शाम को काटता है इसलिए सुबह और शाम को विशेष तौर पर मच्छरों से बचकर रहें।
- फाइलेरिया की गोली लें।

# पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

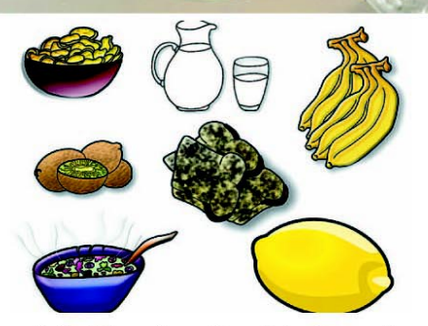

### केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

### आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

### दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

### ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

### कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

### नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

### पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

### नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

### शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

### फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

### अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

## रेसिपी

### चाइनीज फ्राइड राइस

**सामग्री**

1 कप बासमती चावल, 1 कप बंद गोभी, 1/2 कप गाजर, 1/4 कप फेंच बिन्स, 1/2 कप पनीर, 1/4 कप शिमला मिर्च, 2 टेबल स्पून हरा धनिया, 2 -4 टेबल स्पून तेल, 2 हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 इंच अदरक, 1 छोटा चम्मच ग्रीन चिली सॉस, 2 छोटा चम्मच सोया सॉस, 2 छोटा चम्मच सिरका

**विधि**

सबसे पहले पैन में तेल डाल कर गरम लीजिए। तेल के हल्का गरम होने पर पनीर के टुकड़े पैन में सिकने के लिए डाल दीजिए और हल्के ब्राऊन होने तक सेक कर निकाल लीजिए। तेल में गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी डालकर 1-2 मिनट तेज आंच पर फ्राई कर लीजिए। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, ग्रीन चिल्ली सॉस, सोया सॉस, सिरका, पनीर के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला दीजिए। नमक और चावल डालकर सभी चीजों को 2 मिनट लगातार चलाते हुए अच्छे से मिलाते हुए पका लें। चावलों के सब्जियों में अच्छे से मिल हो जाने पर थोड़ा सा हरा धनिया डालकर मिलाए। चाईनीज फ्राइड राइस बनकर तैयार हैं। चाईनीज फ्राइड राइस को प्लेट में निकाल कर हर धनिये से गार्निश कीजिए और परोसिए।

### भाखरी पिज़्ज़ा

**सामग्री**

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप ज्वार आटा, 2 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **पिज़्ज़ा सॉस:** 3/4 कप हल्के उबले टमाटर , 1 स्पून जैतून तेल, 1 स्पून लहसुन, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून प्याज़ पत्ते, 1 स्पून शक्कर,1 स्पून टमॅटो कैचप, 1 स्पून ऑरेगानो, 1 स्पून लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री:** 1/2 कप कसा हुआ चीज

**विधि**

**आटे के लिए:** सभी सामग्री को एक बाउल मे मिलाकर, ज़रुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। **पिज़्ज़ा सॉस के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर और 1-2 मिनट के लिए या उनके पार्दशी होने तक भून लें। हरी प्याज के पत्ते डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 30 सेकन्ड तक भून लें। हल्के उबले हुए टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक पका लें। शक्कर और टमॅटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 से 2 मिनट तक पका लें। ऑरेगानो, चिली फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** आटे को 6 भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच दबाते हुए, गोल आकार में फैला लें एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक भाखरी के दोनो तरफ गुलाबी दाग पड़ने तक पका लें। सूती कपड़े का प्रयोग कर, भाखरी को धीमी आंच पर दबाते हुए, उनके दोनो तरफ से करारा और सुनहरा होने तक पकाते रहें। तवे पर रखकर ही, उपर 2 टेबल-स्पून पिज़्ज़ा सॉस डालकर 1 टेबल-स्पून चीज छिड़के। ढकक्न से ढककर 2 मिनट तक पका ले। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**